आनन्दम

सीखें - सिखायें आगे बढ़ते जाए

(स्कूली शिक्षा में 10 बैगलेस दिवस)

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
उत्तर प्रदेश

विद्यालय में 10 बैगलेस दिवसों

के क्रियान्वयन हेतु

दिशा–निर्देश

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ
2025

संरक्षकः
श्रीमती मोनिका रानी, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा/राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
निर्देशनः
श्री गणेश कुमार, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
मार्गदर्शनः
डॉ0 पवन कुमार, संयुक्त निदेशक (एस0एस0ए0), राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
अकादमिक निर्देशनः
श्रीमती दीपा तिवारी, उप शिक्षा निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
प्रशासनिक सहयोगः
श्री अमित कुमार सिंह, सह उप शिक्षा निदेशक/प्रशासनिक अधिकारी, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
समन्वयन एवं सम्पादनः
डॉ0 मनीषा शुक्ला, प्रवक्ता (शोध), राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
लेखक मण्डलः
श्रीमती प्रतिमा चतुर्वेदी (प्रवक्ता), जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, अयोध्या।
श्रीमती चन्दन शुक्ला (प्रवक्ता), सी0टी0ई0, लखनऊ।
श्री संतोष कुमार मिश्रा (प्रवक्ता), जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, संतकबीर नगर।
डॉ0 मीनाक्षी शर्मा (प्रवक्ता), जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, सीतापुर।
डॉ0 अलका रस्तोगी (प्रवक्ता), जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, इटावा।
श्रीमती रीना भारती (प्रवक्ता), जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गौतमबुद्ध नगर।
डॉ. कल्पना चौरसिया, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गोरखपुर।
श्री नियाज वारिस वारसी, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गौतमबुद्ध नगर।
श्री दीपक भारती, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, झांसी।
श्री पूनम चौधरी, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, मुजफ्फरनगर।
श्री शालिनी उपाध्याय, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, वाराणसी।
श्री अचला सिंह, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बाराबंकी।
श्री विवेक त्रिपाठी, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज।
डॉ. असित कुमार मौर्या, प्रवक्ता, मनोविज्ञानशाला, प्रयागराज।
डॉ. मनीष मिश्रा, प्रवक्ता, मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्र, झांसी।
श्री शिव बहादुर सिंह, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रतापगढ़।
श्री धर्मवीर तिवारी, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उन्नाव।
डॉ. युवराज सिंह, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, हरदोई।
सुश्री पुष्पा देवी, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, रामपुर।
डॉ0 गीतांजलि सिंह यादव, प्रवक्ता, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, बाराबंकी।
प्रूफ रीडिंगः
श्री भूपेन्द्र सिंह (प्रवक्ता), जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गौतमबुद्ध नगर।
सुश्री प्रज्ञा सिंह (प्रवक्ता), राज्य शिक्षा संस्थान, उ0प्र0, प्रयागराज।
कम्प्यूटर ले–आउट एवं डिज़ाइनिंगः
श्री पंकज कुमार, कम्प्यूटर ऑपरेटर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
कवर पृष्ठ आभारः
मो0 तनवीर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
प्रकाशन वर्षः
मार्च 2025
आभारः इंटरनेट व अन्य स्त्रोत जिसकी सामग्री का प्रयोग किया गया है।

गणेश कुमार
निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण
परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
फोन (कार्यालय) : 0522–2780385, 2780505
(फैक्स) : 0522–2781125
ई–मेल : dscertup@gmail.com

निदेशक की कलम से

हर्ष का विषय है कि राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु "10 बैगलेस दिवस" पर आधारित निर्देशिका **'आनन्दम्'** विकसित की गयी है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक और अनुभवजन्य शिक्षा प्रदान करना है।

यह निर्देशिका राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की अनुशंसाओं के आधार पर विद्यालयी शिक्षा की "राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 से प्रेरित है, जो शिक्षा में समग्र और समावेशी विकास पर बल देती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अनुभवजन्य अधिगम की ओर यह अभिनव प्रयास विद्यार्थियों के शैक्षणिक अनुभवों को समृद्ध करेगा और 21वीं सदी के विविध कौशलों को सिखाने में सहायक सिद्ध होगा।

"आनन्दम" निर्देशिका में प्रस्तुत गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को पारम्परिक शिक्षा के साथ कला, शिल्प, वैज्ञानिक प्रयोगों, खेलकूद तथा विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। उन्हें स्थानीय कौशल विशेषज्ञों से जुड़ने तथा ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन के महत्व के स्थानों/स्मारकों का भ्रमण, स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों से मिलने और अपने गाँव/तहसील /जिला/राज्य में स्थित शैक्षणिक तथा अन्य संस्थानों का भ्रमण करने सहित विभिन्न समृद्ध गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जा सके। इससे न केवल उनका मानसिक और शारीरिक विकास होगा, बल्कि सोचने–समझने की क्षमता में वृद्धि के साथ–साथ व्यावसायिक उन्मुखीकरण भी होगा, जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

यह निर्देशिका शिक्षकों को विद्यालयी परिवेश के अनुरूप आनंददायी, रोचक एवं व्यवसाय उन्मुख शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के निर्माण में सहायक सिद्ध होगी, जिससे अनुभवजन्य अधिगम हेतु सहज समावेशी वातावरण का निर्माण किया जा सकेगा।

मैं इस निर्देशिका को साकार रूप प्रदान करने हेतु डॉ० पवन कुमार, संयुक्त निदेशक (एस.एस.ए.) एवं श्रीमती दीपा तिवारी (उप शिक्षा निदेशक) के प्रति विशेष रूप से आभारी हूँ जिनके अथक प्रयासों, कुशल मार्गदर्शन और सफल निर्देशन के परिणामस्वरूप इस निर्देशिका का प्रकाशन संभव हो पाया है।

निर्देशिका के विकास में सम्मिलित समस्त विशेषज्ञों एवं समीक्षकों का भी मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिनके सार्थक प्रयासों से यह निर्देशिका समुचित आकार ले पायी है। यह प्रयास शिक्षा को रुचिकर, आनंददायक एवं व्यवसाय उन्मुख बनाने की ओर मील का पत्थर साबित होगा।

शुभकामनाओं सहित

(गणेश कुमार)

भूमिका

विद्यार्थी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का केंद्र होते हैं। सभी शैक्षिक गतिविधियों में उनकी वास्तविक सहभागिता अनिवार्य है। विद्यार्थियों हेतु आनन्ददायक अधिगम वातावरण सृजित करना आवश्यक है, जिससे वे शैक्षिक उपलब्धि के साथ–साथ सांस्कृतिक, सामाजिक व भावनात्मक विकास के विभिन्न आयामों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर सकें। अनुभवजन्य शिक्षा को प्रोत्साहन देने से विद्यार्थियों में न केवल विभिन्न कौशल विकसित होंगे वरन् विषय की गहन समझ भी विकसित होगी। शिक्षा का एक उद्देश्य यह भी है कि विद्यार्थियों में अन्तर्दृष्टि का विकास हो, जिससे वे व्यवसाय व जीविका के संबंध में सम्यक निर्णय ले सकें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसा है कि विद्यालय में कला, प्रश्नोत्तरी, खेल और व्यावसायिक शिल्प संबंधी विभिन्न प्रकार की समृद्ध गतिविधियों का आयोजन किया जाये। इसे ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों हेतु एक शैक्षिक सत्र में 10 बैगलेस दिवसों को सम्मिलित किया जाएगा जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को समय–समय पर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक पर्यटन स्थलों, स्मारकों के भ्रमण, स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों आदि से मिलने तथा स्थानीय उच्च शिक्षण संस्थानों के शैक्षिक भ्रमण के माध्यम से स्कूल के बाहर की गतिविधियों से अवगत कराया जाएगा। सभी विद्यार्थी एक शैक्षिक सत्र में 10 दिन बिना बैग के विद्यालय आएंगे और विभिन्न गतिविधियों में भाग लेंगे।

बैगलेस दिवसों की गतिविधियों में विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की भागीदारी भी सुनिश्चित करनी होगी। विद्यालय के शिक्षकों को इन विशिष्ट विद्यार्थियों का समावेशन सुनिश्चित करने के लिए योजना बनानी होगी और प्रत्येक गतिविधि मे सभी की प्रतिभागिता के लिये समावेशी वातावरण निर्मित करना होगा। शैक्षिक भ्रमण, प्राकृतिक अन्वेषण, सर्वेक्षण, केस स्टडी, माता–पिता एवं समुदाय के सदस्यों के साक्षात्कार आदि क्रियाकलापों से विद्यार्थियों में वृहद समझ का विकास होगा। विद्यार्थी विभिन्न व्यवसायों की ओर उन्मुख हो सकेंगे तथा किसी विशिष्ट व्यवसाय हेतु आवश्यक कौशलों की पहचान कर उनका विकास कर सकेंगे।

प्रस्तुत निर्देशिका **आनन्दम्** का विकास इस उद्देश्य से किया गया है कि परिषदीय विद्यालयों के कक्षा–6, 7 एवं 8 के विद्यार्थियों के लिए ''10 बैगलेस दिवस'' कार्यक्रम के द्वारा उनमें आनंददायी और अनुभवजन्य अधिगम हेतु सहज समावेशी वातावरण का निर्माण हो सकेगा। यह निर्देशिका स्थानीय व्यवसाय व स्थानीय कलाकारों से परिचित कराने एवं उनके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास करेगी। '10 बैगलेस दिवस' विद्यार्थियों को बस्ते के बोझ से मुक्त कर उन्हें मनोरंजक गतिविधियाँ कराएंगे। इसके द्वारा विद्यार्थियों में विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक कौशलों की समझ के साथ–साथ उनका सर्वांगीण विकास संभव होगा। यह निर्देशिका प्रदेश के कक्षा 6, 7 एवं 8 तक के विद्यार्थियों में स्थानीय परिवेश की समग्र समझ के साथ श्रम की गरिमा को बढ़ावा देने की सोच भी विकासित करेगी। साथ ही यह विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में रूचि के अनुरूप उपयुक्त विषय–वर्ग का चयन करने में मार्गदर्शन प्रदान करेगी, जिससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे तथा देश के विकास में अग्रणी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

अनुक्रमणिका

परिचय	1
10 बैगलेस दिवसों के उद्देश्य	2
क्रियाविधि	2
वार्षिक कार्य योजना विकसित करना	3
समय आवंटन	5
वार्षिक कार्य योजना का क्रियान्वयन	6
संसाधन	8
आकलन और मूल्यांकन	8
विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) की देखभाल	8
गतिविधियों की सुझावात्मक सूची	9

भाग 1 – विज्ञान, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी

1. पक्षी अभ्यारण/चिड़ियाघर भ्रमण	11
2. जल परीक्षण	13
3. प्रकृति का सानिध्य	15
4. सौर ऊर्जा केंद्र का भ्रमण	17
5. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा साइंस, रोबोटिक पर विशेषज्ञ व्याख्यान	19
6. साइबर सुरक्षा पर विशेष वार्ता	21
7. विद्युत उपकरणों से परिचय	23
8. स्वास्थ्य और स्वच्छता	25
9. प्राथमिक उपचार	27
10. हाइड्रोलिक आर्म (रोबोटिक आर्म)	29
11. स्मार्ट गार्डेनिंग सिस्टम	31
12. चाइल्ड सेफ्टी (गुड टच एंड बैड टच)	33
13. योग	35
14. खेल	37

भाग 2 – सार्वजनिक कार्यालय, स्थानीय उद्योग और व्यवसाय

15. फोटाग्राफी/वीडियोग्राफी	40
16. ग्राम पंचायत चुनाव प्रक्रिया	42
17. सार्वजनिक कार्यालयों का भ्रमण	44
18. गृह उद्योग	46
19. बैंक गतिविधि (मिनी बैंक सेटअप)	48
20. बाल मेले का अयोजन	50
21. पुलिस स्टेशन का भ्रमण	52
22. सिलाई	54
23. कपड़े के जूते/टी शर्ट डिजाइन करना	56
24. ऑरगेनिक पॉट्री	58

भाग 3 – कला, संस्कृति और इतिहास

25. कठपुतली 61
26. डूडलिंग 63
27. पतंग बनाना और उड़ाना 65
28. नृत्य नाटक और माइम्स 67
29. राष्ट्रीय स्मारकों का भ्रमण 69
30. ऐतिहासिक स्मारकों की यात्रा 71
31. वाद्य यंत्र 73
32. मिट्टी से मूर्ति निर्माण 75
33. निष्प्रयोज्य वस्तुओं से गुड़िया बनाने की कला 77
34. जूट से क्राफ्ट निर्माण 79

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में 10–बैगलेस दिवस सम्बन्धी दिशा–निर्देश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के पैराग्राफ 4.26 में व्यावसायिक शिक्षा के लिए एक नवीन दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जिसका लक्ष्य कम से कम 50 प्रतिशत विद्यार्थियों को उच्च प्राथमिक स्तर से ही व्यावसायिक विषयों से परिचित कराना है। यह उपक्रम व्यावहाारिक कौशल विकास को अकादमिक शिक्षा के साथ संश्लिष्ट करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो व्यावहाारिक कौशल को महत्व देते हुए विद्याार्थियों को वर्तमान चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है।

कक्षा 6 से 8 में अध्ययनरत प्रत्येक विद्यार्थी स्थानीय व्यवसायों में कुशल व्यक्तियों के निर्देशन में, प्रस्तुत निर्देशिका में निहित प्रावधानों के अनुसार स्थानीय आवश्यकतानुरूप व्यावसायिक गतिविधियों में प्रतिभाग करेगा, जिससे उनके व्यावसायिक कौशलों यथा धातु का काम, बागबानी, मिट्टी के बर्तनों का निर्माण, बिजली का काम इत्यादि में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। कक्षा 6 से 8 के लिए एक अभ्यास–आधारित पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा–विद्यालयी शिक्षा– 2020–21 को तैयार करते हुए एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा डिजाइन किया जाएगा। कक्षा 6 से 8 में पढ़ने के दौरान सभी विद्यार्थी एक 10–दिवसीय बैगलेस पीरियड में भाग लेंगे जब वे स्थानीय व्यावसायिक विशेषज्ञों, जैसे बढ़ई, माली, कुम्हार, कलाकार आदि के साथ प्रशिक्षु के रूप में काम करेंगे। वर्ष भर में ऐसे बैगलेस दिवसों में विभिन्न प्रकार की समृद्ध करने वाली कला, क्विज, खेल और व्यावसायिक हस्तकलाओं को प्रोत्साहन दिया जायेगा। बच्चों को ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों/स्मारकों का भ्रमण करने, स्थानीय कलाकारों तथा शिल्पकारों से मिलने और अपने गांव/तहसील/जनपद/राज्य में उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण करने के माध्यम से स्कूल के बाहर की गतिविधियों के लिए अवसर दिया जाएगा।

सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति– 2020 में कला, प्रश्नोत्तरी, खेल और व्यावसायिक शिल्प से जुड़ी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के लिए प्रत्येक शैक्षिक सत्र में 10 बैगलेस दिवसों की संकल्पना की गयी है। विद्यार्थियों को ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों का भ्रमण, स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों, क्षेत्र विशेष में उपलब्धि प्राप्त विशेषज्ञों से मिलने का अवसर विद्यालय के भीतर उपलब्ध होगा एवं गाँव/तहसील/राज्य में उच्च शिक्षण संस्थानों, संग्रहालयों, शोध संस्थानों के भ्रमण द्वारा उन्हेंस्कूल के बाहर की गतिविधियों से समय–समय पर अवगत कराया जायेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के पैरा 4.26 में उद्धृत है कि ''कक्षा 6 से 8 में पढ़ने के दौरान सभी विद्यार्थी दस दिन के बस्ता–रहित पीरियड में भाग लेंगे, जब वे स्थानीय व्यावसायिक विशेषज्ञों जैसे बढ़ई, माली, कुम्हार, कलाकार आदि के साथ प्रशिक्षु के रूप में काम करेंगे।''

इस निर्देशिका में 10 बैगलेस दिवसों के क्रियान्वयन सम्बन्धी सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं को सम्मिलित किया गया है, जिसके अंतर्गत दिशानिर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विद्यालय स्तर पर आंतरिक एवं बाह्य गतिविधियों को जोड़ा गया है। यह निर्देशिका विद्यालयों में गतिविधियों को व्यवस्थित ढंग से लागू करने में सहायता प्रदान करेगी। निर्देशिका तीन भागों में विभाजित है जिसका प्रथम भाग– विज्ञान, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी, द्वितीय भाग–सार्वजनिक कार्यालय, स्थानीय उद्योग एवं व्यवसाय तथा तृतीय भाग– कला–संस्कृति एवं इतिहास से सम्बन्धित है।

परिचय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का लक्ष्य व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े सामाजिक स्थिति पदानुक्रम को दूर करना और सभी शैक्षिक संस्थानों में व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों को शिक्षा की मुख्यधारा में चरणबद्ध तरीके से एकीकृत करना है। उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के व्यावसायिक उन्मुखीकरण द्वारा उन्हें उच्च शिक्षा से जोड़ा जाएगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक विद्यार्थी कम से कम एक व्यवसाय सीखे और अन्य व्यवसायों से परिचित हो। इससे विभिन्न व्यवसायों के ज्ञान, कौशल निर्माण, श्रम की गरिमा, भारतीय हस्त शिल्प कला और कारीगरी इत्यादि को प्रोत्साहन मिलेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में कहा गया है कि विद्यार्थियों को कक्षा–6 से ही व्यावसायिक विषयों से अवगत कराया जाए। इसी क्रम में कक्षा–6, 7 एवं 8 तक के बच्चों को 10 बैगलेस दिवसों की गतिविधियों के माध्यम से विभिन्न व्यवसायों का ज्ञान और कौशल प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

10–बैगलेस दिवसों की अवधारणा

10 बैगलेस दिवसों के क्रियान्वयन के पीछे अंतर्निहित विचार है कि इन्हें कक्षा–6, 7 एवं 8 की शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग बनाना है। यह न केवल किताबी ज्ञान और ज्ञान के अनुप्रयोग के बीच की सीमाओं को कम करेगा, बल्कि बच्चें को कार्य–क्षेत्रों में कौशल आवश्यकताओं से भी अवगत कराएगा, जिससे उन्हें भावी व्यवसाय का चयन करने में सहायता मिलेगी। इसमें निहित बहुकौशल गतिविधियाँ, सौंदर्य मूल्यों, सहयोग, समूह कार्य, कच्चे माल का विवेकपूर्ण उपयोग, रचनात्मकता, गुणवत्ता के प्रति चेतना आदि जैसे व्यावहारिक कौशलों के विकास को भी बढ़ावा देंगी।

प्रत्येक विद्यार्थी कक्षा–6, 7 एवं 8 के दौरान एक आनंददायक पाठ्यक्रम में प्रतिभाग करेगा, जो राज्य/स्थानीय/समुदाय द्वारा अथवा स्थानीय कौशल आवश्यकताओं के अनुसार चिह्नित किए गए महत्वपूर्ण व्यावसायिक शिल्पों जैसे– बढ़ईगिरी, बिजली का काम, धातु का काम, बागवानी, मिट्टी के बर्तन बनाने आदि के सर्वेक्षण के साथ ही व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा।

सभी विद्यार्थी कक्षा–6, 7 एवं 8 के दौरान 10–दिवसीय बैगलेस अवधि में भाग लेंगे, जहां वे स्थानीय व्यावसायिक विशेषज्ञों के साथ प्रशिक्षण लेंगे। कला, प्रश्नोत्तरी, खेल और व्यावसायिक शिल्प से जुड़ी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के लिए एक शैक्षिक सत्र में इन 10 बैगलेस दिवसों को प्रोत्साहित किया जाएगा। बच्चों को ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पर्यटन स्थलों/स्मारकों के भ्रमण, स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों से मिलने और उनके गांव/तहसील/जिला/राज्य में उच्च शिक्षण संस्थानों के भ्रमण के माध्यम से समय–समय पर विद्यालय के बाहर की गतिविधियों से अवगत कराया जाएगा इसके साथ ही स्थानीय समुदायों और स्थानीय कौशल आवश्यकताओं के अनुरूप योजना तैयार की जा सकती है।

10 बैगलेस दिवस कौशल–आधारित गतिविधियों को विज्ञान, भाषा, सामाजिक विज्ञान, गणित आदि जैसे सामान्य शैक्षिक विषयों से जोड़ने में भी सहायता करेंगे। यह विद्यार्थियों को कार्यानुभव दुनिया से जोड़कर विभिन्न उत्पादक कार्यों के लिए बुनियादी कौशल विकसित कर आवश्यकताओं की पूर्ति करने में उपयोगी होंगे। यह निर्देशिका विद्यार्थियों को विभिन्न अवधारणाओं, वैज्ञानिक सिद्धांतों और बुनियादी कौशल को सीखने के लिए विभिन्न शैक्षिक विषयों को एकीकृत करने में सक्षम होगी। विभिन्न व्यावसायिक कौशलों में विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण, उन्हें भविष्य में उचित व्यवसाय के चयन में सहायता करेगा। इस प्रकार, उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए 10–दिवसीय बैगलेस शिक्षा कार्यक्रम न केवल ज्ञान अर्जन में बल्कि मूल्यों के विकास और बहुकौशल विकास में सहायक होगा।

स्कूली शिक्षा में 10 बैगलेस दिवसों का उद्देश्य

स्कूली शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार कक्षा–6, 7 एवं 8 में 10 बैगलेस दिवसों का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को आनन्ददायी वातावरण में सीखने का अनुभव प्रदान कराना है। 10 बैगलेस दिवसों के उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

- ☑ अवलोकन–आधारित सीखने की क्षमता और अभ्यास हेतु अवसरों का सर्जन करना।
- ☑ समुदाय के साथ जुड़ाव एवं पारस्परिक निर्भरता की भावना विकसित करना।
- ☑ सैद्धान्तिक समझ के साथ–साथ कक्षा में पारस्परिक निर्भरता का व्यावहारिक अनुप्रयोग करना।
- ☑ कौशल आधारित गतिविधियों के माध्यम से श्रम की गरिमा के महत्व को बढ़ावा देना।
- ☑ उपलब्ध स्थानीय व्यवसायों जैसे–मिट्टी के बर्तन निर्माण, लौह–शिल्प, बढ़ईगिरी, बागवानी, हस्त शिल्प कला एवं बिजली के काम आदि की ओर विद्यार्थियों को उन्मुख करना।
- ☑ स्थानीय व्यवसायों की जानकारी हेतु स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों के साथ बातचीत करना और वास्तविक परिस्थिति में सीखने की अवधारणा को लोकप्रिय बनाना।
- ☑ विद्यार्थियों को भावी व्यवसाय तथा उच्च शिक्षा के अवसरों के विषय में जानकारी प्रदान करना।
- ☑ विद्यार्थियों को भविष्य में व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत कराना एवं आजीविका के साधन के रूप में चयन हेतु प्रोत्साहित करना।
- ☑ 'वोकल फॉर लोकल' की अवधारणा एवं 'ओ0डी0ओ0पी0' के प्रति जागरूक करना।

कार्य प्रणाली

विद्यालय में '10 बैगलेस दिवस' के वांछित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षक आंतरिक एवं बाह्य गतिविधियाँ करायेंगे। प्रत्येक गतिविधि में यथाआवश्यकता सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी। 10 बैगलेस दिवस में निम्नलिखित गतिविधियां सम्मिलित की जा सकती हैं–

1. शैक्षिक भ्रमण/क्षेत्र भ्रमण

भ्रमण को मनोरंजक गतिविधियों के रूप में देखा जाता है, वे अधिगम बढ़ाने, व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने और व्यक्तित्व के विकास में महत्वपूर्ण उद्देश्यों को पूर्ण करते है। योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों को अवधारणाओं को समझने तथा सामाजिक एवं पर्यावरणीय संवेदनशीलता बढ़ाने में सहायक होगा। शिक्षक रोचक गतिविधियों की पहचान कर उन्हें गणित, विज्ञान आदि विषयों के साथ एकीकृत करने का प्रयास करेंगे।

विद्यार्थियों को व्यावसायिक कार्य क्षेत्र में विभिन्न व्यवसायों से अवगत कराने और भविष्य में रोजगार से जुड़े लोगों द्वारा आवश्यक ज्ञान और कौशल की अंतर्दृष्टि के लिए स्कूल द्वारा विभिन्न स्थानीय उद्योग, अनुसंधान संस्थानों, विभिन्न संगठनों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आई0टी0आई0), पॉलिटेक्निक कॉलेजों, अस्पतालों, उच्च शिक्षण संस्थानों आदि स्थानों पर शैक्षिक भ्रमण आयोजित किए जाएं।

2. प्रयोग

प्रयोगात्मक या प्रयोगशाला में व्यावहारिक अभिविन्यास और अन्वेषण विद्यार्थियों को अवलोकन, जांच करने, निरीक्षण करने, प्रयोग करने, चर्चा करने, आलोचनात्मक रूप से सोचने, वर्गीकरण करने, विश्लेषण करने, तर्क करने और निष्कर्ष निकालने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

3. प्रकृति अन्वेषण

ऐसी क्रियाएं जिनके माध्यम से हम प्रकृति के विभिन्न पहलुओं को समझते, खोजते और उनसे जुड़ते हैं। राष्ट्रीय उद्यानों का भ्रमण करना, लंबी पैदल यात्रा करना, ट्रेकिंग करना, वन्यजीवों को देखना और अपने आस–पास के परिवेश का अवलोकन करना इत्यादि सम्मिलित है। इन गतिविधियों द्वारा विद्यार्थी कई प्रकार के कौशल विकसित कर सकते हैं और वास्तविक जीवन की स्थितियों का अनुभव कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त ये गतिविधियाँ विद्यार्थियों को नए व्यवसायों के विषय में अवगत कराती हैं।

4. सर्वेक्षण/केस स्टडी/साक्षात्कार

सर्वेक्षण विद्यार्थियों को सार्थक अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए खोज, संग्रह और उपयोग करने में सहायक होते हैं। अन्वेषण और सर्वेक्षण गतिवधियों में विद्यार्थी साक्षात्कार के माध्यम से जानकारी प्राप्त करते हैं। विद्यार्थियों को स्थानीय लोगों से बात करने और प्रोजेक्ट कार्य से संबंधित डेटा एकत्र करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है जो उन्हें अपने आस–पास की समस्याओं की पहचान, अनुभव और समस्या के निराकरण में सहायक होगा।

विद्यार्थियों को साक्षात्कार के लिए स्वयं प्रश्न बनाने तथा एकत्र आंकड़ों का उपयोग करके रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। संप्रेषण कौशल विकसित करने, प्रश्न बनाने एवं पूछने, प्रतिक्रियाओं को जानने, रिकॉर्ड करने तथा रिपोर्ट तैयार करने आदि में मदद करता है।

वार्षिक कार्य योजना का विकास करना

10 बैगलेस दिवसों के क्रियान्वयन में नियोजन एक आवश्यक अंग है। विद्यालय में गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने व आन्तरिक और बाह्य गतिविधियों की वार्षिक कार्य योजना तैयार करने हेतु दिशा–निर्देश निम्नलिखित हैं–

(1) विद्यालय के वार्षिक कैलेंडर में 10 बैगलेस दिवसों की गतिविधियों को समाहित किया जाये। प्रस्तावित समय–सारिणी के अनुसार माह में 1 या 2 गतिविधियां करायी जाएं।

(2) वार्षिक कार्य योजना विकसित करते समय सभी विषय के शिक्षक सम्मिलित किये जाएं।

(3) यदि आवश्यक हो तो आन्तरिक और बाह्य गतिविधियों को एक ही दिन में कराएं।

(4) एक जैसे उद्देश्य वाली दो गतिविधियों का आयोजन एक साथ न करें।

(5) किसी विशिष्ट गतिविधि को लागू करते समय, किसी विषय के पाठ को सम्मिलित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, सामाजिक अध्ययन के शिक्षक किसी संग्रहालय की यात्रा की योजना बना सकते हैं और उसे क्रियान्वित कर सकते हैं। उसी तरह विज्ञान के शिक्षक प्रयोग और प्रोजेक्ट वर्क करा सकते है।

(6) गतिविधियों को क्रियान्वित करने वाले शिक्षक, गतिविधियों से learning outcome की संप्राप्ति सुनिश्चित करें।

(7) गतिविधियाँ संपादित होने के बाद शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ गतिविधियों की एक समग्र रिपोर्ट तैयार करें।

(8) गतिविधियों की कार्ययोजना इस प्रकार बनायी जाये कि विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

वार्षिक कार्ययोजना का प्रस्तावित प्रारूप

माह/सप्ताह	गतिविधि का नाम	अधिगम उद्देश्य	दिवसों की संख्या	आवश्यक संसाधन	योजना (पूर्व गतिविधि)	क्रियान्वयन (गतिविधि के दौरान)	परिणाम (पोस्ट गतिविधि)

बैगलेस दिवसों के आयोजन हेतु प्रस्तावित समय सारणी

माह / सप्ताह	गतिविधि का नाम	अधिगम उद्देश्य	दिवसों की संख्या	आवश्यक संसाधन	योजना (गतिविधि पूर्व)	निष्पादन (गतिविधि के समय)	परिणाम (गतिविधि के पश्चात)
अप्रैल	पक्षी अभ्यारण्य / चिड़ियाघर भ्रमण, सीटिंग अंडर ट्री / प्रकृति की गोद में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा साइंस, रोबोटिक्स पर विशेषज्ञ व्याख्यान, योग		01				
जून	फोटोग्राफी, सार्वजनिक कार्यालयों का भ्रमण, बैंकिंग गतिविधि (मिनी बैंक सेटअप)		01				
जुलाई	कठपुतली, पतंग बनाना और उड़ाना, राष्ट्रीय स्मारकों का भ्रमण, जूट से क्राफ्ट निर्माण		01				
अगस्त	जल परीक्षण, सौर ऊर्जा केंद्र का भ्रमण, साइबर सुरक्षा पर व्याख्यान / वार्ता, खेल		01				
सितम्बर	ग्राम पंचायत चुनाव प्रक्रिया, गुह उद्योग, बाल मेले का आयोजन		01				
अक्टूबर	डूडलिंग, नृत्य, नाटक और माइम्स, ऐतिहासिक स्मारकों की यात्रा		01				
नवम्बर	विद्युत उपकरणों से परिचय, गो ग्रीन / पत्तों से बर्तन बानाना, (हाइड्रोलिक आर्म / रोबोटिक आर्म)		01				
जनवरी	पुलिस स्टेशन का भ्रमण, सिलाई, कपड़े के जूते–टी / शर्ट डिजाइन करना		01				
फरवरी	कम्पोस्ट खाद का निर्माण, प्राथमिक उपचार, स्मार्ट गार्डनिंग सिस्टम		01				
मार्च	वाद्य यंत्र, मिट्टी से मूर्ति निर्माण, निष्प्रयोज्य वस्तुओं से गुड़िया बनाने की कला		01				

नोट: बैगलेस दिवस की गतिविधियों का चयन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर किया जाए। इनका आयोजन माह के तृतीय शनिवार को किया जाए। तृतीय शनिवार को अवकाश की स्थिति में माह के किसी भी अन्य शनिवार को बैगलेस दिवस की गतिविधियों का आयोजन किया जाए।

वार्षिक योजना का क्रियान्वयन

वार्षिक कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु यह आवश्यक है कि निम्नवत् सभी हितधारकों के कार्यों का निर्धारण कर उन्हें अपने दायित्वों के प्रति जागरूक किया जाए–

1. विद्यालय का प्रधानाध्यापक
2. विभिन्न विषयों के शिक्षक
3. कक्षा–6, 7 एवं 8 के विद्यार्थी
4. विद्यार्थियों के माता–पिता/अभिभावक
5. समुदाय के अन्य हितधारक

1. विद्यालय के प्रधानाध्यापक की भूमिका एवं उत्तरदायित्व

10 बैगलेस दिवसों की वार्षिक कार्ययोजना में निर्धारित गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए भौतिक सुविधाएं/संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रधानाध्यापक, विद्यालय प्रमुख और नेतृत्वकर्ता होने के कारण उत्तरदायी है। अपने विद्यालय में कार्ययोजना को लागू करते समय प्रधानाध्यापक से निम्नलिखित अपेक्षा की जाती है–

- स्कूल में वार्षिक कार्य के क्रियान्वयन का मार्गदर्शन, प्रेरणा और निगरानी करना।
- 10 बैगलेस दिवसों की कार्ययोजना के अंर्तगत वांछित गतिविधियों को लागू करने के लिए भौतिक संसाधनों के साथ–साथ उचित वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था करना।
- कार्ययोजना के विभिन्न हितधारकों से उचित प्रतिक्रिया लेना तथा आवश्यकतानुसार सुधारात्मक उपायों को लागू करना।
- 10 बैगलेस दिवसों की निर्देशिका में वांछित उद्देश्यों को सही प्रकार से लागू करने के लिए विभिन्न विषय के शिक्षकों का मार्गदर्शन और समर्थन करना।
- 10 बैगलेस दिवसों के क्रियान्वयन के लिए सहायक और अनुकूल वातावरण प्रदान करना।

2. विभिन्न विषयों के शिक्षकों की भूमिका एवं उत्तरदायित्व

इस निर्देशिका के उद्देश्यों के आधार पर शिक्षक अपने विषय से संबंधित गतिविधियों की पहचान कर सकते हैं। जो शिक्षक भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, कला, संगीत और व्यावसायिक कार्य अनुभव जैसे विषयों को पढ़ा रहे हैं, उन्हें इन विषयों से संबंधित भ्रमण और कौशल–आधारित गतिविधियों के आयोजन की प्रक्रिया में सम्मिलित किया जाएगा। शिक्षक, विद्यार्थियों का मार्गदर्शन, शिक्षण सामग्री की व्यवस्था, निर्देशन और परामर्श सत्र आयोजित करना, निष्पक्ष मूल्यांकन, प्रदर्शन पर निरंतर प्रतिक्रिया आदि गतिविधियों का संपादन करेंगे एवं वार्षिक गतिविधियों की संलग्न समय–सारिणी का अनुसरण करेंगे। शिक्षकों से निम्नलिखित कार्य करने की अपेक्षा की जाती है–

- 10–बैगलेस दिवस कार्यक्रम के विषय में विद्यार्थियों का उन्मुखीकरण करें।
- माता–पिता/अभिभावकों को 10–बैगलेस दिवसों के महत्व के बारे में जागरूक करें।
- दिशा–निर्देशों में दी गई गतिविधियों के उद्देश्यों के आधार पर उनका चयन करें एवं अतिरिक्त गतिविधियों की संकल्पना कर उनके संचालन की योजना तैयार करें।

- गतिविधियों के आयोजन हेतु विशेषज्ञों, निकटस्थ संस्थानों और समुदाय के साथ संबंध विकसित करें।
- गतिविधियों को व्यवस्थित कर वास्तविक जीवन से जोड़ें।
- गतिविधियों के महत्व व प्रासंगिकता पर चर्चा करें।
- गतिविधियों के क्रियान्वयन के दौरान विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करें।
- प्रत्येक गतिविधि में विद्यार्थियों को सम्मिलित कर उनका निरीक्षण एवं मूल्यांकन करें।
- विद्यार्थियों और प्रशासन को समय–समय पर प्रतिपुष्टि प्रदान करें।
- वित्त, परिवहन और अन्य औपचारिकताओं सहित आवश्यक सामग्री तथा संसाधनों की व्यवस्था करें।
- उद्देश्यों की प्राप्ति तथा प्रत्येक गतिविधि की प्रासंगिकता का आकलन करें।

3. कक्षा–6, 7 एवं 8 के विद्यार्थियों की भूमिकाएँ एवं उत्तरदायित्व

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 अनुभवजन्य शिक्षा पर बल देती है, जिसमें विद्यार्थी आनंददायी वातावरण में अधिगम प्रक्रिया में सम्मिलित होते हैं। इससे न केवल विद्यार्थी विभिन्न कौशल अर्जित करते हैं अपितु उनमें विषय की गहन समझ का विकास भी होता है। इसके लिए यह भी आवश्यक है कि विद्यार्थियों की विभिन्न गतिविधियों मे सक्रिय भागीदारी हो। 10–बैगलेस दिवसों की सफलता हेतु विद्यार्थियों के उत्तरदायित्व अधोलिखित हैं–

- गतिविधियों में पूर्ण मनोयोग से प्रतिभाग करें।
- स्थानीय कारीगर, शिल्पकार और विशेषज्ञ आदि से बातचीत करें।
- सिलाई मशीन, हथौड़ी, कैंची, सरौता जैसे उपकरणों का सावधानी से उपयोग करें।
- प्राकृतिक घटनाओं का अन्वेषण करें।
- विशिष्ट व्यवसाय पर ध्यान देने के साथ व्यावसायिक कौशल के अन्य अवसरों की कल्पना करें।
- सामग्री और उपकरणों का उपयोग शिक्षक के मार्गदर्शन में करें।

4. विद्यार्थियों के माता–पिता/अभिभावकों की भूमिकाएं एवं उत्तरदायित्व

10–बैगलेस दिवसों की सफलता में माता–पिता महत्वपूर्ण हितधारक हैं। उनसे निरंतर समर्थन और भागीदारी के माध्यम से निम्नांकित आग्रह किया जाता है–

- 10–बैगलेस दिवसों के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों को करने के लिए अपने बच्चों को प्रोत्साहित करना और उनका समर्थन करना।
- माता–पिता/अभिभावकों द्वारा बच्चों में श्रम की गरिमा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना। स्कूल प्रशासन और प्रबंधन में प्रतिभाग के माध्यम से समर्थन करना।
- अभिभावक शिक्षक बैठक (पी0टी0एम0) में नियमित प्रतिभाग करना।
- आवश्यकता होने पर समुचित सहायता प्रदान करना।
- विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के माता–पिता/अभिभावकों द्वारा अपने बच्चों को 10–बैगलेस दिवस गतिविधियों में सम्मिलित होने के लिए अभिप्रेरित करना।

5. समुदाय की भूमिका एवं उत्तरदायित्व

10–बैगलेस दिवस योजना को लोकप्रिय बनाने के लिए सामुदायिक भागीदारी आवश्यक है। गतिविधियों के क्रियान्वयन में समुदाय का समर्थन और भागीदारी 10–बैगलेस दिवसों की सफलता के लिए प्रमुख निर्धारकों में से एक है। इस संदर्भ में समुदाय से निम्नलिखित सहयोग की अपेक्षा की जाती है–

- कार्य विशेष में कुशल व्यक्तियों को उनके कौशल की प्रस्तुति हेतु प्रेरित करें और अवसर प्रदान करें।
- विद्यार्थियों को गांव के मेले और हाट आदि के दौरान लोगों से बातचीत करने का अवसर प्रदान करें।
- गतिविधियों को संचालित करने के लिए आवश्यकतानुसार सामग्री व परिवहन उपलब्ध कराने में सहयोग प्रदान करें।

आवश्यक संसाधन

10–बैगलेस दिवसों के अन्तर्गत आतंरिक एवं बाह्य गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक संसाधन निम्नलिखित हैं–

- **भौतिक संसाधन–** प्रयोगशालाएं, व्यावसायिक कौशल प्रयोगशाला, पार्क, उद्यान, कंप्यूटर/लैपटॉप, स्पीकर, माइक, प्रोजेक्टर, वीडियो संसाधन, बैनर, पोस्टर, मॉडल, चार्ट, स्टेशनरी, प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स और गैजट्स आदि।
- **वित्तीय संसाधन–** गतिविधियों के समुचित संचालन हेतु धन का आवंटन।
- **मानव संसाधन–** विशेषज्ञ, स्थानीय शिल्पकार, मूर्तिकार, कलाकार आदि।
- **गतिविधि आधारित संसाधन–** गतिविधि के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक विशिष्ट संसाधन

विद्यार्थियों का आकलन और मूल्यांकन

10–बैगलेस दिवस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षण–अधिगम की विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों से अवगत कराना है। शिक्षक इस कार्यक्रम के दौरान विविध गतिविधियों के क्रियान्वयन में विद्यार्थियों की रुचि और अभिवृत्ति का अवलोकन एवं मूल्यांकन कर सकते हैं। यद्यपि विद्यार्थी को कोई अंक या ग्रेड नहीं दिया जाएगा तथापि शिक्षक सीखने में सुधार के लिए समय–समय पर प्रतिपुष्टि प्रदान करेंगे। शिक्षक वांछित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आंतरिक और अनौपचारिक मूल्यांकन कर सकते हैं। स्व–अध्ययन को बढ़ावा देने के साथ–साथ स्व–मूल्यांकन को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (CWSN) की देखभाल

विद्यालयों में सामान्य बच्चों के साथ ही विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का भी नामांकन होता है। इन बच्चों के अधिगम को सुगम बनाने हेतु विद्यालयों में विशिष्ट शिक्षकों को बुलाया जा सकता है।

बैगलेस दिवसों की गतिविधियों के दौरान विशिष्ट शिक्षक इन बच्चों के साथ सम्मिलित होंगे और गतिविधियों से संबंधित सभी अवधारणाओं का मार्गदर्शन और व्याख्या करेंगे। इन शिक्षकों को जिला

समन्वयक (समेकित शिक्षा) की सहायता से पूर्व योजना बनानी चाहिए और प्रत्येक गतिविधि हेतु बच्चों को मानसिक रूप से तैयार करना चाहिए। इससे विशिष्ट बच्चों को सभी प्रासंगिक गतिविधियों को समझने में मदद मिलेगी। यदि विद्यालय में विशिष्ट शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं तो इन बच्चों के अभिभावकों की सहायता ली जा सकती है।

सुझावात्मक गतिविधियों की सूची

विद्यालय के शिक्षक कार्यक्रम के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए व स्थानीय आवश्यकतानुरूप विभिन्न क्रियाकलापों/गतिविधियों का निर्धारण करेंगें। 10 बैगलेस दिवसों हेतु शिक्षक महत्वपूर्ण गतिविधियाँ निर्मित करेंगें। व्यावहारिक उद्देश्य से गतिविधियों का विवरण उदाहरण सहित नीचे स्पष्ट किया जा रहा है:–

- राष्ट्रीय स्मारकों, संग्रहालयों का भ्रमण।
- हस्तशिल्प, जूट निर्माण, बाँस का काम।
- निष्प्रयोज्य/अप्रयुक्त वस्तुओं का सर्वोत्तम प्रयोग।
- शैक्षणिक खेल–कूद।
- स्वास्थ्य और स्वच्छता।
- प्रकृति एवं पर्यावरण संबंधी क्रिया कलाप।
- संगीत और सांस्कृतिक क्रिया कलाप।
- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (इण्टरनेट, नेटवर्किंग, कृत्रिम बुद्धिमता, रोबोटिक्स और डूडलिंग इत्यादि) से सम्बन्धित गतिविधियाँ।
- मूल्य एवं शान्ति शिक्षा।
- राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन।
- स्थानीय कलाकारों/शिल्पकारों से परिचय।
- प्रोजेक्ट आधारित क्रिया कलाप।
- एनीमेशन, ग्राफिक्स और फैशन डिजायनिंग।
- स्थानीय कार्यालयों का भ्रमण।

भाग–1

विज्ञान, पर्यावरण और तकनीकी

गतिविधि– 1

पक्षी अभ्यारण्य/चिड़ियाघर का भ्रमण

गतिविधि का प्रकार : बाह्य (आउटडोर)

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, तार्किक क्षमता, प्रकृति के साथ सामंजस्य, संप्रेषण कौशल, पारस्परिक सहयोग

उद्देश्य–

- पक्षियों के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- पक्षियों के प्रवास के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- मानव और पक्षियों के प्राकृतिक पर्यावरण के बीच संबंध का अध्ययन करेंगे।
- पक्षी अभयारण्यों की सुरक्षा और संरक्षण के विषय में जानकारी एकत्र कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- आरामदायक जूते
- ब्रिम्ड हैट/कैप
- पक्षी गीत–सीडी
- नोटबुक और पेन
- दूरबीन (यदि उपलब्ध हो)

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- भ्रमण किए जाने वाले स्थान का चयन करें। आस–पास के स्थान का ही चयन किया जाना उचित होगा जहां बच्चों को सुरक्षित तरीके से भ्रमण कराया जा सके।
- गतिविधि के लिए एक योजना बनाएं।
- विद्यार्थियों को गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के तरीके के विषय में संक्षेप में बताएं।
- गतिविधि के लिए आवश्यक व्यवस्था करें जैसें धन और परिवहन व्यवस्था आदि।
- भ्रमण किये जाने वाले स्थान के अधिकारियों यथा पक्षी विहार के निदेशक आदि से पूर्व सहमति प्राप्त करें।
- अभिभावकों को भ्रमण के उद्देश्य और समय के विषय में सूचित करें तथा उनकी लिखित सहमति प्राप्त करें।
- विद्यार्थियों में अवलोकन के लिए रुचि पैदा करें।
- विद्यार्थियों को बातचीत करने और प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विद्यार्थियों को पक्षी अवलोकन पर छोटे–छोटे नोट लिखने के लिए प्रोत्साहित करें।
- गतिविधि की रिपोर्ट प्रधानाध्यापक को जमा करें।
- न्यूनतम तीन सदस्यीय समिति के मार्गदर्शन में ही भ्रमण कराया जाये।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार तैयारी करें।
- स्थान के इतिहास का अध्ययन करें।

- अनुशासन बनाए रखें।
- शिक्षक, मार्गदर्शक या प्रशिक्षक के निर्देशों का पालन करें।
- रिपोर्ट के लिए जानकारी एकत्र करें/नोट्स बनायें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को उनके भ्रमण के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को पक्षी अभ्यारण्य के महत्व के विषय में समझाएँगे।
- निर्धारित स्थल का भ्रमण करेंगे।
- विद्यार्थियों को वहां कार्य करने वाले लोगों/कर्मचारियों के साथ बातचीत करने और पक्षी अभ्यारण्य के विकास के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न कच्ची सामग्री के विषय में जानने के लिए प्रेरित करेंगे।
- पक्षियों और उनके व्यवहार विषय में चर्चा करेंगे।
- गतिविधि के दौरान उनके अवलोकन और सीख पर चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- समय प्रबंधन
- रचनात्मकता
- कल्पना
- समूह कार्य
- भाषा दक्षता
- प्रश्न पूछने का कौशल
- अनुशासन

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरुकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, रिपोर्ट लिखने आदि के कौशल द्वारा वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- वन्यजीव फोटोग्राफर
- पर्यावरणविद्
- रिपोर्टर
- पत्रकार (जर्नलिस्ट)
- पक्षी विज्ञानी

गतिविधि– 2

जल परीक्षण

गतिविधि का प्रकार : आन्तरिक (इनडोर)

समयावधि : 3 घण्टे

विकसित कौशल : वैज्ञानिक परीक्षण, अवलोकन, मापन एवं डेटा संग्रह, संप्रेषण आदि।

उद्देश्य–

- जल गुणवत्ता मापदंडों और उनके महत्व को समझ सकेंगे।
- तापमान, रंग, मैलापन और गंध जैसे भौतिक जल गुणवत्ता मापदंडों को समझने और मापने में सक्षम हो सकेंगे।
- पानी में कुल घुले हुए ठोस पदार्थ (टीडीएस) और पी0एच0 (pH) मान जैसे रासायनिक जल गुणवत्ता मापदंडों को समझने और मापने में सक्षम हो सकेंगे।
- दैनिक जीवन में जल संसाधनों और पर्यावरण पर मानवीय गतिविधियों के प्रभाव को समझ सकेंगे।
- जलजनित रोगों के विषय में अवगत हो सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- जल परीक्षण किट
- पानी के लिए पारदर्शी गिलास
- टेस्ट ट्यूब
- सुरक्षा चश्मा और दस्ताने
- नोटबुक और पेन

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- विद्यालय में सभी आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करें।
- गतिविधि प्रदर्शन के लिए स्थानीय विशेषज्ञ को आमंत्रित करें।
- जल परीक्षण के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करें।
- कार्यप्रणाली में दिए गए निर्देशों का पालन करें।
- जल गुणवत्ता मापदंडों के परीक्षण के उद्देश्य और महत्व पर चर्चा करें।
- गतिविधि की रिपोर्ट प्रधानाध्यापक को जमा करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक तथा विशेषज्ञ के निर्देर्शों को पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- परीक्षण के दौरान सुरक्षा सम्बन्धी सावधानियों का ध्यान रखें और पालन करें।
- विद्यार्थी जल परीक्षण से संबंधित प्रश्नों पर आपस में चर्चा करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएँगे।
- गतिविधि को योजना के अनुसार निष्पादित करेंगे।
- सभी विद्यार्थी प्रयोगशाला/उपयुक्त स्थान पर एकत्र होंगे।
- शिक्षक/विशेषज्ञ जल गुणवत्ता मापदंडों की परीक्षण प्रक्रिया का प्रदर्शन करेंगे। जल गुणवत्ता मापदंडों के परीक्षण के लिए निम्नलिखित चरण हैं–
  1. पारदर्शी गिलास में पानी के नमूने एकत्र करेंगे।
  2. पानी का तापमान मापने के लिए थर्मामीटर का उपयोग करेंगे।
  3. बिना किसी सहायता के पानी को देखकर उसके रंग की जांच करेंगे।
  4. टर्बिडिटी, टीडीएस, पीएच आदि जैसे अन्य मापदंडों को मापने के लिए जल परीक्षण किट का उपयोग करेंगे।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करेंगे।
- गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों से उनके अवलोकन और सीख के विषय में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट लिखने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- रुचि
- प्रतिभागिता
- समूह कार्य
- पारस्परिक कौशल
- रिपोर्ट तैयार करना

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या और रिपोर्ट लिखने आदि कौशल विकसित करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- जल विश्लेषक
- लैब तकनीशियन
- वैज्ञानिक
- पर्यावरणविद्

गतिविधि– 3

प्रकृति का सानिध्य

गतिविधि का प्रकार : बाह्य (आउटडोर)

समयावधि : 2 घण्टे

विकसित कौशल : प्रकृति के प्रति सहानुभूति, पर्यावरण चेतना, अवलोकन कौशल।

उद्देश्य–

- प्रकृति के साथ भावनात्मक लगाव को बढ़ावा देने में पेड़ों के महत्व के विषय में जानें।
- मानव जीवन पर पेड़ों के प्रभाव के विषय में जानें।
- पेड़ के नीचे बैठने के व्यावहारिक और मानसिक लाभों के विषय में जानें।
- पेड़ों के लाभों और उनके व्यावहारिक उपयोगों को समझें।
- पेड़ के नीचे बैठने के लिए चटाई/चादरें

आवश्यक सामग्री–

- पेड़ के नीचे बैठने के लिए मैट/बेडसीट
- नोटबुक और कलम।

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएँ।
- विद्यार्थियों को गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी की विधि के विषय में संक्षेप में बताएं।
- विद्यार्थियों के साथ पेड़ों और उनके महत्व के विषय में चर्चा करें।
- उस पेड़ की पहचान करें, जहाँ विद्यार्थियों को ले जाया जा सकता है।
- गतिविधि के विषय में विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें।
- गतिविधि की रिपोर्ट प्रधानाध्यापक को जमा करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक एवं विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- अपने विद्यालय या घर के पास उपलब्ध पेड़ों की सूची बनाएँ।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- गतिविधि के महत्व को समझाएँगे।
- योजना के अनुसार गतिविधि को अंजाम देंगे।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करेंगे।
- विद्यार्थियों से उस पेड़ की पहचान करने के लिए कहेंगे जिसके नीचे वे गतिविधि के लिए एकत्र होंगे।

- पहचाने गए पेड़ और हमारे जीवन में इसके उपयोग के विषय में संक्षिप्त चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों से कहें कि वे पेड़ से जुड़ी कहानियाँ सुनाएँ जो उन्हें याद होंगे।
- विद्यार्थियों से कहें कि वे समूह में पेड़ को गले लगाएँ और पेड़ के साथ एकता की भावना महसूस करेंगे।
- बरगद, पीपल, नीम, आम आदि जैसे विभिन्न पेड़ों के महत्व के विषय में बात करेंगे।
- अधिक पेड़ लगाने और उन्हें संरक्षित करने के विचारों पर चर्चा करेंगे।
- गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों के साथ उनके अवलोकन और सीख के विषय में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- रचनात्मकता
- प्रस्तुति
- भागीदारी
- लेखन कौशल

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरुकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशल विकसित करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- पर्यावरणविद्
- कहानीकार
- वनपाल
- बागवानी विशेषज्ञ
- एनजीओ कार्यकर्ता
- वन रेंजर

गतिविधि– 4

सौर ऊर्जा केंद्र का भ्रमण

गतिविधि का प्रकार : बाह्य (आउटडोर)

समयावधि : 3 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, उच्च स्तरीय चिंतन, दैनिक जीवन मे विज्ञान का अनुप्रयोग, नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के विषय में जागरूकता, संप्रेषण आदि

उद्देश्य–

- सौर ऊर्जा के विभिन्न उपकरणों की पहचान करें।
- सौर उपकरणों के कामकाज के विषय में चर्चा करें।
- नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विषय में अधिक जानें।

आवश्यक सामग्री–

- नोटबुक और पेन
- सुरक्षा कैप
- आरामदायक जूते

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- गतिविधि के लिए आवश्यक व्यवस्था करें जैसे कि धन, परिवहन आदि।
- अभिभावकों को गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में सूचित करें।
- विद्यार्थियों को गतिविधि को उद्देश्य और तैयारी के विषय में संक्षेप में बताएं।
- विद्यार्थियों को बातचीत करते समय नोट्स लेने और रिपोर्ट लिखने के लिए अभिप्रेरित करें।
- गतिविधि की रिपोर्ट प्रधानाध्यापक को सौंपें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षकों के निर्देशानुसार तैयारी करें।
- विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- सोलर पार्क के कार्यो के विषय में विशेषज्ञ से प्रश्न पूछें और यात्रा के दौरान जानकारी एकत्र करें।
- सोलर पार्क में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के सौर ऊर्जा उपकरणों की जानकारी प्राप्त करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व से सूचित करेंगे।

- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएँगे।
- निर्धारित गतिविधि स्थल का भ्रमण करेंगे।
- सौर पार्क और विभिन्न सौर उपकरणों की कार्य प्रक्रिया के विषय में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को सौर ऊर्जा उत्पादन प्रक्रिया के विषय में समझाएँगे।
- विद्यार्थियों से गतिविधि के दौरान उनके अवलोकन और सीख के विषय में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- अवलोकन कौशल
- प्रश्न पूछने का कौशल
- समय प्रबन्धन
- समूह कार्य

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन और विश्लेषण करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- सौर गैजेट निर्माता
- सौर उपकरण विक्रेता
- सौर उपकरण सेवा प्रदाता
- इलेक्ट्रीशियन

गतिविधि– 5

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/डेटा साइंस/रोबोटिक्स पर विशेषज्ञ व्याख्यान

गतिविधि का प्रकार : आंतरिक (इनडोर)

समयावधि : 3 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, विश्लेषणात्मक (आलोचनात्मक), संज्ञानात्मक, पारस्परिक अंतर्सम्बन्ध, संप्रेषण, समस्या–समाधान और निर्णय लेने के कौशल।

उद्देश्य–

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)/डेटा साइंस/रोबोटिक्स के अनुप्रयोगों को जान सकेंगे।
- इससे सम्बन्धित व्यावसायिक अवसरों के बारे में जान सकेंगे।
- विभिन्न प्रकार के रोबोट और उनके कार्यप्रणाली से परिचित हो सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- नोटबुक और पेन
- आर्टिफिशियन इंटेलिजेंस/डेटा साइंस/रोबोटिक्स पर प्रस्तुति
- इंटरनेट कनेक्शन वाले कंप्यूटर
- स्मार्ट बोर्ड

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- विद्यार्थियों को गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी की विधि के बारे में संक्षेप में बताएं।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/डेटा साइंस/रोबोटिक्स के बारे में अधिक जानने के लिए विद्यार्थियों में रुचि पैदा करें।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास के बारे में चर्चा करें।
- दैनिक जीवन में ए0आई0 के विभिन्न अनुप्रयोगों पर चर्चा करें।
- विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से सम्मिलित होने के लिए, मार्गदर्शन करें।
- विद्यार्थियों को ओसियन वन, एटलस, रोबियर, सोफिया आदि जैसे ह्यूमोनॉयड्स पर छोटी प्रस्तुति बनाने के लिए प्रेरित करें।
- गतिविधि की रिपोर्ट प्रधानाध्यापक को जमा करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक एवं विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- अधिकारियों/मार्गदर्शक/विशेषज्ञ से प्रश्न पूछें और गतिविधि के दौरान एकत्र जानकारी को नोट करें।

- विभिन्न वेबसाइट्स के माध्यम से ह्यूमोनॉयड्स तथा ए0आई0 खेलों के बारे में अधिक जानें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को इस गतिविधि के बारे में पहले से सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में समझाएँगे।
- विद्यार्थियों को ए0आई0, मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, ऑगमेंटड रियलिटी (AR), वर्चुअल रियलिटी (VR), और मिक्स्ड रियलिटी (MR), आदि जैसे विभिन्न शब्दों को समझाएँ और सीखने के लिए अभिप्रेरित करेंगे।
- विद्यार्थियों को बताएं कि मशीनों में ए0आई0 कैसे प्रयोग होता है (प्राकृतिक न्यूरॉन्स और कृत्रिम न्यूरॉन्स में अंतर या समानताओं को समझाएँगे)।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने, नोट्स लेने और रिपोर्ट लिखने के लिए प्रेरित करेंगे।
- गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों के साथ उनके अवलोकन और सीख के बारे में चर्चा करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- अवलोकन
- आलोचनात्मक चिंतन
- प्रश्न पूछने का कौशल
- अनुशासन

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों के माध्यम से वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- कंप्यूटर इंजीनियर
- मशीन लर्निंग इंजीनियर
- रोबोटिक वैज्ञानिक
- डेटा साइंसटिस्ट/विश्लेषक/शोधकर्ता

गतिविधि– 6

साइबर सुरक्षा पर विशेष वार्ता

गतिविधि का प्रकार : आंतरिक (इनडोर)

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, विश्लेषण, सामुदायिक सुरक्षा और हितों के प्रति संवेदनशीलता, संप्रेषण, पारस्परिक अंतर्सम्बन्ध, डिजिटल जागरूकता, तकनीकी कौशल आदि।

उद्देश्य–

- साइबर अपराध पर प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) दर्ज कराने की प्रक्रिया के विषय में बताएं।
- इस क्षेत्र में विभिन्न अवसरों के विषय में जानें।
- साइबर अपराध के विषय में चर्चा करें।
- वास्तविक और आभासी दुनिया के मध्य सामंजस्य बनाएं।

आवश्यक सामग्री–

- नोटबुक
- पेन

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए एक योजना बनाएं।
- विद्यार्थियों को गतिविधि के उद्देश्य के विषय में बताएं।
- विद्यार्थियों को साइबर दुनिया के विषय में अधिक जानने के लिए प्रेरित करें।
- विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध/धोखाधड़ी के विषय में जानकारी दें।
- विभिन्न माध्यम से इसकी रिपोर्ट करने के महत्व पर चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को बातचीत करने और प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें।
- गतिविधि की रिपोर्ट प्रधानाध्यापक को जमा करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- विशेषज्ञ के व्याख्यान में रुचि लें।
- विशेषज्ञ से प्रश्न पूछें और बातचीत के दौरान सभी आवश्यक जानकारी नोट करें।
- अनुशासन बनाए रखें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएँगे।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करेंगे।

- विद्यार्थियों को विशेषज्ञ के साथ बातचीत करने और इसमें सम्मिलित विभिन्न चरणों/तरीकों के विषय में जानने के लिए प्रेरित करेंगे।
- विशेषज्ञ, विद्यार्थियों को साइबर अपराधियों/हैकर्स से बचाव के विषय में अवगत करायेंगे।
- विशेषज्ञ, से गतिविधि के दौरान उनके अवलोकन और समझ के विषय में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- अवलोकन
- प्रश्न पूछने का कौशल
- समूह कार्य
- अनुशासन

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों के माध्यम से वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- साबइर थ्रेट्स इंटेलिजेंस एनालिस्ट
- साइबर क्राइम एनालिस्ट
- तकनीकी सहायक
- फ्रॉड ऑपरेशंस एनालिस्ट

गतिविधि– 7

विद्युत उपकरणों से परिचय

गतिविधि का प्रकार : आन्तरिक (इनडोर)

समयावधि : 2 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, सर्जनात्मकता, नवाचार, उत्तरदायित्व की भावना, तार्किकता एवं दैनिक जीवन में विज्ञान का अनुप्रयोग करने का कौशल आदि।

उद्देश्य–

- विद्युत से चलने वाले सामान्य उपकरणों एवं उनकी कार्य प्रणाली पर समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्युत उपकरणों के लिए प्रयुक्त होने वाले सामान्य टूल्स को जान सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- सामान्य विद्युत उपकरण
- सामान्य विद्युत औजार (टूल्स)
- अन्य सहायक सामग्री यथा स्विच, सॉकेट, तार, प्लग और टेस्टर इत्यादि।

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- दैनिक उपयोग के विद्युत उपकरणों के प्रति विद्यार्थियों में रूचि उत्पन्न करें।
- सामान्य/घरेलू विद्युत उपकरणों की सामान्य कार्य प्रणाली पर चर्चा करें।
- सामान्य/घरेलू विद्युत उपकरणों के सुरक्षित उपयोग पर चर्चा करें।
- सामान्य/घरेलू विद्युत उपकरणों को चलाने हेतु आवश्यक सहायक सामग्री से परिचित करायें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- सामान्य/घरेलू विद्युत उपकरणों की कार्य प्रणाली जानें।
- सामान्य विद्युत उपकरण उपयोगार्थ औजारों के सुरक्षित उपयोग से परिचित हो।
- उपकरणों में विद्युत धारा के प्रवाह की कार्य प्रणाली की सामान्य समझ विकसित करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को सामान्य घरेलू विद्युत उपकरणों का उपयोग करना बताएंगे।
- विद्यार्थियों को उन सामान्य सिद्धान्तों से परिचित कराएंगे, जिनके आधार पर विद्युत उपकरण संचालित होते हैं।
- विद्यार्थियों को सामान्य/घरेलू विद्युत उपकरणों के सुरक्षित उपयोग से परिचित कराएंगे।
- कृत्रिम परिपथ के माध्यम से धारा के प्रवाह और उपकरण संचालन को समझाएंगे।
- कुछ सामान्य सरल विद्युत सामग्री यथा प्लग, साकेट, तार इत्यादि को खोलना, जोड़ना और अलग करना बताएंगे।

- विद्यार्थियों को उक्त विषय वस्तु पर लेख/रिपोर्ट तैयार करने के लिए मार्गदर्शन और निर्देश प्रदान करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- अवलोकन
- तार्किक चिंतन
- संज्ञानात्मक कौशल
- टीम भावना
- अनुशासन

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों के माध्यम से वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- इलेक्ट्रॉनिक्स टूल्स रिपेरिंग
- इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिक टूल्स निर्माणकर्ता
- इलेक्ट्रीशियन

गतिविधि– 8

स्वास्थ्य एवं स्वच्छता

गतिविधि का प्रकार : आंतरिक (इनडोर)

समयावधि : 2 से 3 घण्टे

विकसित कौशल : व्यक्तिगत स्वच्छता, पोषण एवं स्वास्थ्य, योगाभ्यास इत्यादि।

उद्देश्य–

- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता का महत्व समझ सकेंगे।
- स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले पोषक तत्वों एवं आदतों पर समझ विकसित कर सकेंगे।
- स्वास्थ्य के लिए लाभदायक एवं हानिकारक वस्तुओं को जान सकेंगे।
- व्यक्तिगत स्वच्छता पर समझ विकसित कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- पेन
- नोटबुक

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- सम्बन्धित अधिकारियों से संपर्क करें तथा कार्यक्रम निर्धारित करें।
- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में संक्षिप्त जानकारी प्रदान करें।
- गतिविधि के सम्बन्ध में अभिभावकों को भी सूचित करें।
- स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयों के विषय में विद्यार्थियों में रूचि पैदा करें।
- बुनियादी स्वास्थ सम्बन्धी विषयों एवं स्वच्छता पर चर्चा करें।
- विद्यार्थियों से स्वच्छता हेतु आवश्यक गतिविधियों पर बातचीत करेंगे।
- बालिकाओं से माहवारी के विषय में भी स्पष्ट रूप से चर्चा करेंगे।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक एवं विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- गतिविधि के दौरान शांति एवं अनुशासन बनाए रखें।
- गतिविधि की आवश्यक जानकारियों को नोटबुक में नोट करें।
- विशेषज्ञ द्वारा बतायी गयी बातों को ध्यान से सुनें।
- स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से सम्बन्धित प्रश्न विशेषज्ञ से पूछें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएँगे।

- डॉक्टर/स्वास्थ्य विशेषज्ञ से अस्पताल के विभिन्न क्रियाकलापों एवं विभागों के विषय में बात करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- रूचि
- भागीदारी
- टीम वर्क
- पारस्परिक कौशल
- रिपोर्ट तैयार करना
- प्रश्न पूछने का कौशल

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन विश्लेषण आख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके वे भविष्य में अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- डॉक्टर
- नर्स
- मेडिकल एडमिनिस्ट्रेटर
- मेडिकल शोधकर्ता
- सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- पर्यावरणविद्
- डायटीशियन

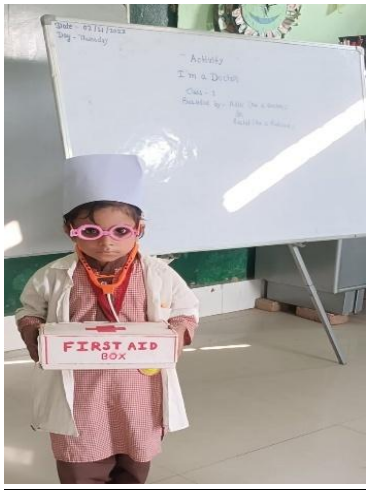

गतिविधि– 9

प्राथमिक उपचार

गतिविधि का प्रकार : आंतरिक (इनडोर)

समयावधि : 3 घण्टे

विकसित कौशल : नैतिकता, विश्लेषण, समस्या निदान, त्वरित निर्णय क्षमता का विकास एवं त्वरित प्राथमिक चिकित्सा देना आदि।

उद्देश्य–

- विद्यार्थी प्राथमिक उपचार के विषय में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं में अपनायी जाने वाली प्राथमिक उपचार प्रक्रिया के बारें में जान सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- नोटबुक
- पेन
- प्राथमिक उपचार में प्रयुक्त होने वाली किट

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- विद्यार्थियों को गतिविधि की पूर्व सूचना दें।
- विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार की उपयोगिता से अवगत कराएं।
- प्राथमिक उपचार की जागरुकता हेतु प्रदर्शन हेतु आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करें।
- प्राथमिक उपचार के प्रदर्शन हेतु विशेषज्ञ को आमंत्रित करें।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए अभिप्रेरित करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- प्राथमिक उपचार में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की जानकारी लें।
- प्राथमिक उपचार सामग्री को सावधानीपूर्वक उपयोग करें।
- प्राथमिक उपचार सामग्री के उपयोग पर समूह चर्चा करें।
- प्राथमिक उपचार की विभिन्न प्रक्रियाओं को सूचीबद्ध करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार की महत्ता से अवगत कराएंगे।
- विद्यार्थियों को अलग–अलग दुर्घटनाओं/परिस्थितियों में दिये जाने वाली प्राथमिक उपचार पद्धतियों से अवगत कराएंगे।
- प्राथमिक उपचार उपकरणों और प्रक्रिया से संबंधित शब्दावली से अवगत कराएंगे।
- प्राथमिक उपचार की प्रक्रिया का प्रदर्शन कराएंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- समूह कार्य
- समस्या समाधान कौशल
- निर्णय लेने की क्षमता
- प्राथमिक उपचार की विधियों को सूचीबद्ध करना
- प्राथमिक उपचार का प्रदर्शन

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, आख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके वे भविष्य में अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- पैरा मेडिकल स्टॉफ
- स्वास्थ्य सेवा प्रदाता (प्राथमिक उपचार)

गतिविधि–10

हाइड्रोलिक आर्म (रोबोटिक आर्म)

गतिविधि का प्रकार : आन्तरिक (इनडोर)

समयावधि : 3–4 घण्टे

विकसित कौशल : समस्या समाधान, रचनात्मकता एवं समूह कार्य आदि।

उद्देश्य–

- विद्यार्थी हाइड्रोलिक सिस्टम की कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थियों में सहयोग एवं सामूहिक भावना का विकास हो सकेगा।

आवश्यक सामग्री–

- चयनित सिरिंज (10ml या 20 ml)–4
- प्लास्टिक ट्यूब (1 मीटर)–2
- कार्डबोर्ड 2–3 शीट्स
- आइसक्रीम स्टिक्स 10–15
- हॉट ग्लू गन
- स्टिक्स
- कॉपर का तार
- पानी
- कैंची
- कटर
- पेंसिल और स्केल
- रंगीन टेप या पेंट (वैकल्पिक) इत्यादि।

शिक्षक के लिए निर्देश–

- विद्यार्थियों को हाइड्रोलिक सिस्टम बनाने का वीडियो दिखाएं और इसके वास्तविक जीवन में उपयोग के विषय में बताएं।
- विद्यार्थियों को छोटे–छोटे समूहों में विभाजित करें ताकि, वे मिलकर प्रोजेक्ट/मॉडल बना सकें।
- आवश्यक सामग्री को प्रत्येक समूह में वितरित करें और उसके उपयोग विधि बताएं।
- प्रत्येक समूह का यथासंभव सहयोग करें और उनकी समस्याओं को हल करने में मदद करें।
- गतिविधि के समस्त उपकरणों का सावधानीपूर्वक प्रयोग सुनिश्चित करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक के निर्देशों का पालन करें।
- हाइड्रोलिक सिस्टम बनाने का वीडियो ध्यानपूर्वक देखें।

- विभिन्न उपकरणों पर सावधानीपूर्वक प्रयोग करें।

कार्यविधि–

- सबसे पहले एक पेपर पर हाइड्रोलिक आर्म का डिजाइन बनाएंगे।
- कार्डबोर्ड की मदद से आर्म के हिस्सों को काटेंगे (जैसे बेस, आर्म, ग्रिपर आदि)।
- चित्रानुसार, एक स्थिर संरचना बनाने के लिए आइसक्रीम स्टिक्स और कार्डबोर्ड को जोड़ेंगे।
- सिरिंज को प्लास्टिक ट्यूब से जोड़ें और इसमें पानी भरेंगे।
- आइसक्रीम स्टिक्स और कार्डबोर्ड के हिस्सों को हॉट ग्लू गन की मदद से जोड़ेंगे।
- सिरिंज और ट्यूब को आर्म के विभिन्न हिस्सों से जोड़ें ताकि वे एक–दूसरे को संचालित कर सकेंगे।
- सभी हिस्सों को जोड़कर आर्म का निर्माण करेंगे।
- हाइड्रोलिक आर्म का परीक्षण करें और देखें कि यह सही से कार्य कर रहा है या नहीं तथा आवश्यकतानुसार समायोजित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- प्रोजेक्ट की कार्यप्रणाली
- डिजाइन और क्रिएटिविटी
- समूह कार्य
- समस्या समाधान
- प्रस्तुतीकरण

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, रचनात्मकता, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके वे भविष्य में अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- टॉय इण्डस्ट्री
- रोबोटिक्स इंजीनियर आदि।

गतिविधि– 11

स्मार्ट गार्डनिंग सिस्टम

गतिविधि का प्रकार : बाह्य (आउटडोर)

समयावधि : 3–4 घण्टे

विकसित कौशल : तकनीकी एवं यांत्रिकी समझ, रचनात्मकता, समस्या समाधान एवं समूह कार्य आदि।

उद्देश्य–

- समस्त विद्यार्थी इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) को परिभाषित कर सकेंगे।
- समस्त विद्यार्थी इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) की वास्तविक जीवन में उपयोगिता को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थियों में समस्या–समाधान, रचनात्मकता, और तकनीकी कौशल का विकास होगा।
- समूह कार्य और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करना।

आवश्यक सामग्री–

- मिट्टी में नमी मापने वाला यंत्र
- Arduino बोर्ड (एक माइक्रोकंट्रोलर प्लेटफॉर्म, जो हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर द्वारा इलेक्ट्रॉनिक प्रोजेक्ट्स बनाने में प्रयोग होता है) या Raspberry Pi (एक सिंगल–बोर्ड कंप्यूटर)
- पानी का पंप
- कुछ पौधे और गमले
- पाइपिंग सामग्री
- कंप्यूटर या टैबलेट
- इंटरनेट कनेक्शन
- चार्ट पेपर
- मार्कर इत्यादि।

शिक्षक के लिए निर्देश –

- विद्यार्थियों को IoT का संक्षिप्त परिचय दें और स्मार्ट गार्डनिंग सिस्टम की अवधारणा समझाएं।
- विद्यार्थियों को छोटे–छोटे समूहों में विभाजित करें।
- सेंसर, Arduino बोर्ड, और पानी के पंप आदि सामग्री का उपयोग करके स्मार्ट गार्डनिंग सिस्टम को प्रदर्शित करें।
- प्रत्येक समूह को गतिविधि के दौरान आवश्यक सहायता प्रदान करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षकों की बातों को ध्यान से सुनें और नोट्स बनाएं।
- अपने समूह के साथ मिलकर काम करें।

- यदि कोई संदेह हो तो शिक्षक से प्रश्न पूछें।
- स्मार्ट गार्डनिंग सिस्टम का डिजाइन तैयार करें।

कार्यविधि–

- शिक्षक, IoT की परिभाषा और स्मार्ट गार्डनिंग सिस्टम की अवधारणा का परिचय देंगे।
- शिक्षक, सेंसर, Arduino बोर्ड और पानी के पंप का उपयोग करके एक स्मार्ट गार्डनिंग सिस्टम का प्रदर्शन करेंगे।
- विद्यार्थियों को समूहों में विभाजित किया जाएगा और प्रत्येक समूह को अपने स्मार्ट गार्डनिंग सिस्टम का डिजाइन बनाने का कार्य करेगा।
- इसके पश्चात प्रत्येक समूह अपने स्मार्ट गार्डनिंग सिस्टम को कक्षा में प्रस्तुत करेगा।
- शिक्षक और अन्य विद्यार्थी प्रस्तुतियों की समीक्षा करेंगे और सुझाव देंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- विद्यार्थियों में IoT की समझ
- सर्जनात्मकता
- समूह में कार्य करने की क्षमता
- प्रस्तुतीकरण

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, रचनात्मकता को विकसित करके वे भविष्य में अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- विभिन्न automated उपकरणों का निर्माण
- स्मार्ट गार्डनिंग सॉल्यूशंस उपकरण विशेषज्ञ/निर्माता
- स्वास्थ्य प्रबंधन
- औद्योगिक ऑटोमेशन
- कृषि आधारित उद्योग इत्यादि।

गतिविधि– 12

चाइल्ड सेफ्टी (गुड टच एंड बैड टच)

गतिविधि का प्रकार : आन्तरिक समूह गतिविधि

समयावधि : 3–4 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, स्व–जागरुकता, आत्म विश्वास, समालोचनात्मक कौशल एवं सांवेगिक स्थिरता आदि।

उद्देश्य–

- अच्छे एवं बुरे टच की पहचान कर सकेंगे।
- मानसिक रुप से सुदृढ़ हो सकेंगें।
- भावनात्मक समझ/आत्मविश्वास का विकास हो सकेगा।
- सुरक्षा की भावना विकसित हो सकेगी।

आवश्यक सामग्री–

- चार्ट पेपर
- रंग
- पेन
- टॉय/बड़ी गुड़िया
- पेन्सिल

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- विद्यार्थियों को समूह में बैठायें।
- आवश्यक सामग्री जैसे चार्ट पेपर को व्यवस्थित रखें।
- सावधानी से गुड टच एवं बैड टच को समझाये।
- गुड टच एवं बैड टच की पहचान एवं बैड टच की परिस्थिति में क्या करें, ये भी बताएं।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- निर्देशों का सही ढंग से पालन करें।
- गतिविधि के दौरान आने वाले विचारों एवं जिज्ञासाओं को शिक्षक से पूछें।

कार्यविधि–

- आवश्यक सामग्री तैयार करेंगें।
- विद्यार्थियों को समूह में बैठायेगें।
- गुड टच एवं बैड टच से संबंधित जानकारी देंगें।
- बैड टच की स्थिति में क्या करें, इससे अवगत कराएंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- स्व जागरुकता कौशल
- डर की भावना का कम होना
- अच्छे एवं बुरे टच की पहचान

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, रचनात्मकता को विकसित करके वे भविष्य में अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- सामाजिक कार्यकर्ता
- मनोवैज्ञानिक / परामर्शदाता
- NGOs में कार्य
- बाल अधिकार विशेषज्ञ

गतिविधि– 13

योग

गतिविधि का प्रकार : आन्तरिक (इनडोर)

समयावधि : 1–2 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, विश्लेषण, मनोगत्यामक एवं तनाव प्रबंधन कौशल आदि।

उद्देश्य–

- विद्यार्थी योग के महत्व से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी अपने शरीर के प्रति जागरूक होकर, स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के योगासनों को चरणबद्ध तरीके से करना सीख सकेंगे।
- विद्यार्थीध्यान की विधि सीखकर अपनी एकाग्रता में वृद्धि कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- योग मैट अथवा चटाई

शिक्षक के लिए निर्देश–

- विद्यार्थियों को योग की अवधारणा से परिचित कराएंगे।
- मानव शरीर को स्वस्थ रखने में योग के महत्व को समझाएंगे।
- विद्यार्थियों को उनकी आयु के अनुसार विभिन्न योगासनों को करने की विधि बतायेंगे।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करेंगे।
- विभिन्न योगासनों को ध्यान पूर्वक पूरा करेंगे।

कार्यविधि–

- प्रार्थना सभा के बाद शिक्षक सभी विद्यार्थियों को एक निश्चित क्रम में योगा मैट या दरी पर स्थान ग्रहण करने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक विभिन्न योगासनों के लाभ से परिचित कराते हुए, चरण बद्ध तरीके से उनकी क्रिया विधि का प्रदर्शन विद्यार्थियों के सम्मुख करेंगे।
- विद्यार्थी शिक्षक द्वारा किए गए योगासन का ध्यानपूर्वक अवलोकन करते हुए, स्वयं चरणबद्ध तरीके से योगाभ्यास करेंगे।
- शिक्षक सभी विद्यार्थियों को योगासन करते समय आवश्यकतानुसार सहायता प्रदान करेंगे।
- योगाभ्यास के पश्चात शिक्षक विद्यार्थियों को ध्यान की विधि समझाकर ध्यान लगाने के लिए कहेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- अवलोकन कौशल
- मनोगत्यात्मक कौशल

- योगासन के समय सही स्थिति (पोस्चर)
- लयबद्धता

व्यावसायिक अवसरो के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, आख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके वे भविष्य में अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- योग प्रशिक्षक
- वेलनेस एक्सपर्ट
- फिटनेस ब्लॉगर

गतिविधि– 14

खेल

गतिविधि का प्रकार : इनडोर एवं आउटडोर खेल

समयावधि : 3–4 घण्टे

विकसित कौशल : स्वास्थ्य जागरूकता, समूह कार्य, मनोगत्यात्मक, अवलोकन, संगठनात्मक, तनाव प्रबंधन कौशल

उद्देश्य–

- विद्यार्थियों का सर्वांगीव शारीरिक और मानसिक विकास हो सकेगा।
- उनमें एकाग्रता के टीम भावना का विकास होगा।
- स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होगा।
- बच्चों का 'स्क्रीम टाइम' कम करने में सहायक होगा।

आवश्यक सामग्री–

- फुटबाल
- क्रिकेट किट
- बैडमिंटन रैकेट
- शतरंज बोर्ड
- कैरम

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- सभी विद्यार्थियों को पहले से सूचित करें।
- विद्यार्थियों को छोटे–छोटे समूह में विभाजित करें।
- खेल के नियमों के बारे में बताएं।
- सुरक्षा सम्बन्धी सावधानियां सुनिश्चित करें।
- फर्स्ट एड बॉक्स तैयार रखें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करें।
- स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ खेलें।
- सुरक्षा निर्देशों का अनुपालन करें।
- अनुशासन में रहकर खेलें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के बारे में पहले से सूचित करेंगे।
- खेलों का महत्व समझाएंगे।
- योजना अनुसार गतिविधि का पालन करवाएंगे।

- खेल के निर्धारित नियमों के अनुसार फील्ड या संसाधन तैयार किया जाये जैसे–

इनडोर गेम– चेस–

- ➢ खेल के नियम बताकर चेस बोर्ड देखकर उन्हें समुचित वातावरण उपलब्ध कराके खेल शुरू कराएंगे।

आउटडोर गेम– खो–खो–

- ➢ खेल के उपरान्त बच्चों से खेल के अनुभव के विषय में चर्चा करेंगे।
- ➢ विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक खेल का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- मनोगत्यात्मक कौशल
- प्रतिभागिता
- समूह कार्य
- अनुशासन
- उत्साह

व्यावसायिक अवसरो के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, रचनात्मकता को विकसित करके वे भविष्य में अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- खेल शिक्षक
- एथलीट/नेशनल इंटरनेशनल खिलाड़ी
- वेलनेस एक्सपर्ट
- खेल अकादमी संचालक
- खेल विशेष का कोच

भाग–2

सार्वजनिक कार्यालय, स्थानीय उद्योग और व्यवसाय

गतिविधि–15

फोटोग्राफी / वीडियोग्राफी

गतिविधि का प्रकार : बाह्य (आउटडोर) / आन्तरिक (इनडोर)

समयावधि : 2 घण्टे

विकसित कौशल : सौन्दर्य की समझ, तकनीकी कौशल का विकास एवं सर्जनात्मकता / नवाचार कौशल, उद्यमशीलता, आदि।

उद्देश्य–

- फोटोग्राफी / वीडियोग्राफी के लिए प्राकृतिक दृश्य, वन्यजीव फोटोग्राफी / वीडियोग्राफी, पोर्टफोलियो इत्यादि की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी फोटोग्राफी / वीडियोग्राफी करने की सूक्ष्म अवलोकन दृष्टि विकसित कर सकेंगे।
- एक रोचक गतिविधि के रूप में किसी विशेष थीम पर विभिन्न तरीकों से फोटोग्राफी / वीडियोग्राफी कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- कैमरा / मोबाइल फोन, स्टैन्ड।
- फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी हेतु विभिन्न स्थलों, वस्तुओं आदि का चयन।
- फोकस लाइट आवश्यकतानुसार।
- स्मार्ट टी0वी0 / लैपटॉप / प्रोजेक्टर (फोटोग्राफी के प्रदर्शन एवं चयन हेतु), टैबलेट इत्यादि।

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी हेतु नियमानुसार स्थान का चयन करें।
- अभिभावकों को पूर्व में सम्बन्धित गतिविधि की सूचना दें।
- विद्यार्थियों को फोटोग्राफी / वीडियोग्राफी सम्बन्धी निर्देश चयनित स्थान पर जाने से पूर्व दिए जाएं।
- विद्यार्थियों को फोटोग्राफी / वीडियोग्राफी के महत्व से परिचित कराते हुए, उन्हें फोटोग्राफी / वीडियोग्राफी हेतु अभिप्रेरित करें।
- विद्यार्थियों को गतिविधि के उपरान्त एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करें।
- गतिविधि के दौरान बनाये गये वीडियो / फोटो का प्रस्तुतीकरण करें।

कार्यविधि

- फोटोग्राफी / वीडियोग्राफी हेतु सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- फोटोग्राफी / वीडियोग्राफी की प्रकृति अनुसार (जैसे– प्राकृतिक दृश्य, पेड़–पौधें, वन्यजीव फोटोग्राफी / वीडियोग्राफी, पोर्टफोलियो) विद्यार्थियों के छोटे–छोटे समूह बनाएंगे।
- विद्यार्थियों के प्रत्येक समूह से एक प्रतिनिधि का चयन करें जो अन्य विद्यार्थियों की सहायता करेगा।
- फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी के दौरान अनुशासन बनाये रखने के लिए निर्देशित करेगें।

मूल्यांकन–

प्रत्येक खेल का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- रूचि
- सर्जनात्मकता (फोटो खींचने की कला)
- तकनीकी कौशल
- फोटो/वीडियो के प्रस्तुतीकरण की कला
- सूक्ष्म अवलोकन
- एंगल एवं फ्रेमिंग
- प्रतिभागिता

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके वे भविष्य मे अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते है–

- फोटोग्राफर/वीडियोग्राफर
- साइट मैनेजर
- फिल्म डायरेक्टर
- वाइल्ड लाइफ फोटाग्राफर
- वीडियो एडिटर इत्यादि।

गतिविधि– 16

ग्राम पंचायत चुनाव प्रक्रिया

गतिविधि का प्रकार : आन्तरिक (इनडोर)

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : सामुदायिक जागरूकता, अवलोकन, सामाजिक।

उद्देश्य–

- मतदान और निर्वाचन की प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे।
- ग्राम प्रधान की भूमिका एवं उत्तरदायित्व के विषय में जान सकेंगे।
- उम्मीदवारों का चयन, चुनावी भाषण एवं अपनी बात रखने का कौशल का विकसित कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- सादा कागज (मत पत्र के रूप में प्रयोग करने हेतु)
- बॉक्स या डिब्बा
- मतदाता सूची (पंजीकरण पुस्तिका को मतदाता सूची के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।)

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- अभिभावकों को गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी की विधि के विषय में बताएं।
- गतिविधि हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- गतिविधि के विषय में विद्यार्थियों को स्पष्ट दिशा–निर्देश प्रदान करें।
- गतिविधि की रिपोर्ट प्रधानाध्यापक को भेजें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक, मार्गदर्शक के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखे।
- गतिविधि के दौरान प्राप्त जानकारी को नोट करते रहें।
- समस्त विद्यार्थी गतिविधि मे सक्रिय सहयोग करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएंगे।
- निर्वाचन प्रक्रिया में विद्यार्थियों की सक्रिय प्रतिभागिता होगी।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछनें के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- रूचि

- भागीदारी
- पारस्परिक सम्बन्ध कौशल
- प्रतिभागिता
- रिपोर्ट तैयार करना

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण व्याख्या, रिपोर्ट लिखने के आदि कौशलों को विकसित करके वे भविष्य मे अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते है–

- ग्राम विकास अधिकारी
- खंड विकास अधिकारी
- सामाजिक कार्यकर्ता
- पंचायत सदस्य
- पंचायत कार्यकारी
- शोधकर्ता

गतिविधि– 17

सार्वजनिक कार्यालयों का भ्रमण

गतिविधि का प्रकार : बाह्य (आउटडोर)

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : सामुदायिक जागरूकता, सामाजिक, सांस्कृतिक अवलोकन, संप्रेषण कौशल आदि।

उद्देश्य–

- कार्यालयों की कार्यप्रणाली से अवगत कराना।
- कार्यालयों व उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी देना।
- परिदृश्य के विषय में जागरूकता पैदा करना।

आवश्यक सामग्री–

- नोटबुक और पेन

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- भ्रमण की एक वृहद् योजना बनायें तथा सुरक्षा मानकों हेतु सतर्कता रखें।
- भ्रमण किये जाने वाले नजदीकी कार्यालय का चयन करें।
- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- विद्यार्थियों को भ्रमण के उद्देश्य के विषय में संक्षेप में बताएं।
- अभिभावकों को गतिविधि के लिए पूर्व में सूचित करें।
- गतिविधि के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।
- गतिविधि की रिपोर्ट प्रधानाध्यापक को भेजें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक, मार्गदर्शक के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों तथा शिक्षक से सवाल पूछें और भ्रमण के दौरान जानकारी इकट्ठा करें।
- भ्रमण के दौरान प्राप्त जानकारी को नोट करें।

कार्यविधि–

- भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ उनके अवलोकन और सीख के विषय में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- रुचि

- भागीदारी
- सामाजिकता व जागरूकता
- परस्पर सहयोग
- जिज्ञासा व तत्परता
- रिपोर्ट तैयार करना

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने के आदि कौशलों को विकसित करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते है–

- प्रगतिशील किसान
- बैंकर
- वैज्ञानिक
- व्यापारी
- शोधकर्ता
- विभिन्न क्षेत्रों में व्यवसाय इत्यादि।

नोटः– पंचायत कार्यालय, चिकित्सालय, डाकघर, धर्मार्थ संस्था, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डा, चिड़ियाघर, पुलिस स्टेशन, उद्योग–धन्धे, डेयरी–फार्म आदि स्थानों का भ्रमण कराया जा सकता है।

गतिविधि– 18

गृह उद्योग

गतिविधि का प्रकार : आन्तरिक इनडोर

समयावधि : 3–4 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, कल्पनाशीलता, मनोगत्यात्मक एवं उद्यमिता कौशल आदि।

उद्देश्य–

- गृह उद्योग आरम्भ करने की आधारभूत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- उद्यमिता कौशल का विकास।

आवश्यक सामग्री–

- स्थानीय गृह उद्योग से सम्बन्धित व सहजता से उपलब्ध सामग्री

शिक्षक के लिए निर्देश–

- विद्यार्थियों को छोटे–छोटे समूहों में विभाजित करें।
- विद्यार्थियों को प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित करें।
- सुरक्षा मानकों का पालन अवश्य करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- सभी निर्देशों का पालन करें।
- आवश्यक सामग्री को एकत्र करें।
- विभिन्न कच्चे माल और उपकरणों के सही उपयोग पर चर्चा करें।
- बतायी गयी प्रक्रिया के अनुसार सामग्री तैयार करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों के समूहों को इस प्रकार व्यवस्थित करेंगे कि सभी विद्यार्थी दिखायी जा रही गतिविधि का भली–भांति अवलोकन कर सकेंगे और प्रतिभाग कर सकेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- समूह कार्य
- स्वच्छता
- पाक कला कौशल
- प्रस्तुतीकरण
- उत्पादों की गुणवत्ता

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते है–

- गृह उत्पादक
- गृह उत्पाद विपणन/सप्लायर
- स्वदेशी उत्पाद प्रचारक
- गृह उद्योग
- उद्योग से रोजगार का सर्जन करना इत्यादि।

नोटः– चिप्स, पापड़, अचार, जैम, जेली, क्राफ्ट, बाइन्डिंग, फल–फूल एवं सब्जियों का प्राकृतिक रूप से संरक्षण, सिरका, बेकरी, पैकेजिंग, शिल्पकारी, बुके बनाना, मोमबत्ती बनाना, आदि स्टार्टअप्स से परिचय कराया जा सकता है। Best out of Waste अंतर्गत मिठाई के पैकिंग डिब्बे मैटीरियल, थैले आदि गतिविधियां करायी जा सकती हैं।

गतिविधि– 19

बैंक गतिविधि (मिनी बैंक सेटअप)

गतिविधि का प्रकार : आन्तरिक (इनडोर)

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : वित्तीय साक्षरता, अवलोकन कौशल, आलोचनात्मक सोच, संचार कौशल आदि।

उद्देश्य–

- बैंक की भूमिका और बैंकिंग प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
- विभिन्न करेंसी नोट और उनकी विशेषताओं की पहचान कर सकेंगे।
- विभिन्न प्रकार के बैंक खातों के विषय में जान सकेंगे।
- बचत खाते खोलने और संचालित करने के तरीकों को समझ सकेंगे।
- मोबाइल बैंकिंग एप, ऑनलाइन बैंकिंग सेवाओं पर समझ विकसित कर पायेंगे।
- ए0टी0एम0 का प्रयोग करना सीखेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- मेज, कुर्सी
- पेन, पेंसिल, स्टैम्प
- सादा कागज (जमा पर्ची/निकास पर्ची बनाने हेतु)
- मुद्रा
- नोट बुक

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- गतिविधि के विषय में अभिभावकों को पूर्व में सूचित करें तथा यथासंभव उनकी प्रतिभागिता करायें।
- विद्यालय में गतिविधि संचालन हेतु उचित वातावरण सृजित करें।
- विद्यार्थियों से गतिविधि की रिपोर्ट तैयार करवायें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक, विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- प्रत्येक विद्यार्थी गतिविधि मे सक्रिय रूप से प्रतिभाग करें।
- गतिविधि से सम्बन्धित जानकारी नोटबुक में नोट करते जाए।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएंगे।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- रुचि
- भागीदारी
- पारस्परिक सम्बन्ध कौशल
- रिपोर्ट तैयार करना
- प्रश्न पूछने को कौशल

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन विश्लेषण आख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलो को विकसित करके वे भविष्य मे अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते है–

- सी0ए0
- बैंक मैनेजर
- प्रोबेशनरी ऑफिसर
- अन्य बैंक स्टॉफ

गतिविधि– 20

बाल मेले का आयोजन

गतिविधि का प्रकार : आन्तरिक इनडोर

समयावधि : 3 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, क्रय–विक्रय, सम्प्रेषण एवं समूह कार्य कौशल आदि।

उद्देश्य–

- विद्यार्थी मेले का आयोजन कर सकेगें।
- विद्यार्थी वस्तुओं का विविध आधारों पर वर्गीकरण कर, उन्हें व्यवस्थित करना सीखेंगे।
- विद्यार्थी वस्तुओं का प्रस्तुतीकरण कौशल सीखेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- स्थानीय/मौसमी फल, सब्जियाँ व अन्य वस्तुएं
- व्यंजन कॉर्नर सामग्री
- क्राफ्ट कॉर्नर सामग्री
- बाल साहित्य (पुस्तकें)
- कार्निवाल फन कॉर्नर सामग्री
- टेंट एवं स्टॉल (मेज–कुर्सी)
- चार्ट, पेपर
- पेन इत्यादि

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- विद्यार्थियों से बाल मेला के विषय में विचार–विमर्श करें।
- विद्यार्थियों के साथ विभिन्न प्रकार की स्थानीय वस्तुओं की सूचना एकत्र करें।
- विद्यार्थियों को विभिन्न स्टॉल को व्यवस्थित रूप देने के लिए निर्देशित करें।
- विद्यार्थियों को परस्पर समन्वय स्थापित करते हुए टीम भावना के लिए प्रोत्साहित करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- उपलब्ध वस्तुओं की सूची तैयार करें।
- वस्तुओं का वर्गीकरण करके उन्हें स्टालों पर व्यवस्थित करने की योजना तैयार करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों से 'बाल मेला आयोजन' के महत्व पर चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों से विभिन्न प्रकार की वस्तुओं के स्टॉल लगाने हेतु प्रेरित करेंगे।
- संबंधित स्टॉल के पोस्टर व विज्ञापन बनवायेंगे।
- विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी बाल मेले में क्रय–विक्रय व प्रतिभाग करने हेतु आमन्त्रित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- समूह कार्य
- संगठनात्मक कौशल
- सम्प्रेषण कौशल
- संग्रहण प्रवृत्ति
- प्रस्तुतीकरण कौशल

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन विश्लेषण आख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलो को विकसित करके वे भविष्य मे अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते है–

- क्रय–विक्रय (Shopkeeper)
- विपणन (Marketing)
- विज्ञापन (Advertisenment)
- प्रबंधन (Management) आदि।

गतिविधि– 21

पुलिस स्टेशन का भ्रमण

गतिविधि का प्रकार : बाह्य (आउटडोर)

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : अधिकार और नियमों के प्रति सम्मान, अवलोकन, आलोचनात्मक चिंतन, संप्रेषण, संचार, निस्वार्थता, नेतृत्व, ईमानदारी, अनुकूलनशीलता आदि।

उद्देश्य–

- राष्ट्र की सेवा में पुलिस की भूमिका का वर्णन कराना।
- पुलिस सेवाओं में सम्मिलित प्रशिक्षण प्रक्रियाओं के महत्व को समझाना।

आवश्यक सामग्री–

- पेन
- नोटबुक

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- पुलिस प्रशिक्षण केंद्र/पुलिस स्टेशन का चयन करें।
- पुलिस प्रशिक्षण केंद्र/पुलिस स्टेशन के प्रमुख/प्रभारी अधिकारी से संपर्क करें और भ्रमण का कार्यक्रम बनाएं।
- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- विद्यार्थियों को भ्रमण के उद्देश्यों के विषय में संक्षेप में बताएं।
- गतिविधि के लिए आवश्यक सामग्री की व्यवस्था करें जैसे परिवहन इत्यादि।
- गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में अभिभावकों को सूचित करें।
- विद्यार्थियों से गतिविधि की रिपोर्ट तैयार करवायें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक/विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाएं रखें।
- पुलिस कार्मियों की प्रशिक्षण प्रक्रियाओं और कार्यप्रणाली के विषय में प्रश्न पूछें।
- पुलिस प्रशिक्षण केंद्र/पुलिस स्टेशन में प्रशिक्षण अभ्यासों का अवलोकन करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएँगे।
- प्रशिक्षण केंद्र के अधिकारियों और प्रशिक्षकों से मिलें और उनसे उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के विषय में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- पुलिस में चयनित होने के लिए आवश्यक योग्यता और प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे।

- प्रशिक्षण कक्षाओं, कौशल प्रयोगशालाओं, मेस आदि जैसे विशिष्ट क्षेत्रों या विभागों का भ्रमण करेंगे।
- उचित व्यवहार और नियमों का पालन करें और विशिष्ट क्षेत्रों या विभागों का भ्रमण करने वाले अधिकारियों का सम्मान करेंगे।
- प्रशिक्षण केंद्र में होने वाले विभिन्न प्रशिक्षण अभ्यासों जैसे शारीरिक फिटनेस उदाहरण–मॉकड्रिल या हथियार हैंडलिंग शूटिंग अभ्यास जैसे कोशल प्रशिक्षण अभ्यासों का अवलोकन करेंगे।
- विद्यार्थियों के साथ गतिविधि से उनके अवलोकन और सीख के विषय में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जना चाहिए–

- रुचि
- प्रतिभागिता
- समूह कार्य
- पारस्परिक कौशल
- रिपोर्ट तैयार करना
- प्रश्न पूछने का कौशल

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करें, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- पुलिस अधिकारी
- सुरक्षा गार्ड
- बॉडीगार्ड/बाउंसर
- मार्शल आर्ट ट्रेनर

गतिविधि– 22

सिलाई

गतिविधि का प्रकार : आन्तरिक इनडोर

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, सर्जनशीलता, उद्यमशीलता एवं मनोगत्यात्मक कौशल आदि।

उद्देश्य–

- विद्यार्थियों में उद्यमशीलता का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों में सर्जनशीलता का विकास हो सकेगा।
- सिलाई कला को भविष्य में व्यवसाय के रुप में अपना सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- कपड़ा
- सुई
- धागा
- कागज
- कैंची
- इंचीटेप
- स्केल
- सिलाई मशीन आदि।

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- विद्यार्थियों को गतिविधि से संबंधित आवश्यक सामग्री हेतु पूर्व में सूचना दें।
- विद्यार्थियों को समूह में विभाजित करें।
- सिलाई उपकरणों के सावधानीपूर्वक उपयोग की जानकारी दें।
- सिलाई से संबंधित विशेषज्ञ को आमंत्रित करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षकों द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करें।
- सिलाई अभ्यास के दौरान सावधानी रखें।
- सुई एवं कैंची का सावधानीपूर्वक उपयोग करें।

कार्यविधि–

- सर्वप्रथम विद्यार्थियोंको छोटे–छोटे समूहों में विभाजित करेंगे।
- पेपर पर पैमाने के अनुसार मापना बताएंगें।
- पेपर ड्राफ्टिंग करना सीखाएंगें।

- पेपर कटिंग करना सीखाएंगें।
- कपड़े पर नाप उतारेंगें एवं कटिंग कराएंगे।
- सुई धागे/सिलाई मशीन का प्रयोग करते हुए छोटा पायजामा, फ्रॉक, झबला आदि सिलेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- सर्जनशीलता
- डिजाइन की स्पष्टता
- फाइन कटिंग
- समूह कार्य

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन और प्रयोग आदि कौशलों को विकसित करके वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- टेलरिंग
- फैशन डिजाईनर
- बुटीक आदि।

गतिविधि– 23

कपड़ो के जूते/टी शर्ट डिजाइनिंग

गतिविधि प्रकार : आंतरिक (इनडोर)

समयावधि : 2 से 3 घण्टे

विकसित कौशल : कल्पनाशीलता, सौन्दर्यबोध, सर्जनात्मकता, सर्जनशीलता, व्यावसायिक समझ इत्यादि

उद्देश्य–

- विद्यार्थी दिन प्रतिदिन बदलते हुए फैशन ट्रेंड्स को समझ पायेंगे।
- पोशाकें, आभूषण, बैग व अन्य दिन प्रतिदिन की वस्तुओं के प्रचलन के बुनियादी कौशल को विकसित कर पायेंगे।
- फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में व्यावसायिक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- सफेद या हल्के रंग के प्रयुक्त/अप्रयुक्त टी–शर्ट, कुर्ते या जूते
- मार्कर
- क्रेयॉन
- पेंसिल
- वॉटर कलर

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- विद्यार्थियों से पूर्व में फैशन डिजाइनिंग के विषय में चर्चा करें।
- विद्यार्थियों को प्रयुक्त/अप्रयुक्त किये हुए वस्त्र लाने के लिए कहें।
- डिजाइन चयन में विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दें।
- अनुशासित व सुरक्षित वातावरण तैयार करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- विद्यार्थी स्वेच्छा से डिजाइन व रंगों का चयन करें।
- अनुशासित होकर गतिविधि में प्रतिभाग करें।
- एक–दूसरे से सीखें व मदद करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को छोटे–छोटे समूहों में बैठायेंगे।
- विद्यार्थियों को एक थीम देकर या स्वतंत्र डिजाइन करने को कहेंगे।
- विद्यार्थियों को निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने को कहेंगे।
- कार्य पूर्ण होने पर विद्यार्थियों से प्रस्तुतीकरण करायेंगे।

- विद्यालय में एक फैशन शो आयोजित करायेंगे जिसमें स्वयं के डिजाइन किये हुए वस्त्रों का प्रदर्शन करायेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- डिजाइन का चयन
- रंगों का चयन
- स्पष्टता
- सांस्कृतिक दृष्टिकोण
- अभिनव सोच
- प्रस्तुतीकरण/प्रदर्शन
- मितव्ययिता

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन आदि कौशलो को विकसित करके वे भविष्य मे अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते है–

- डिजाइनिंग
- कपड़े के जूते एवं कपड़े का शोरूम खोलना
- बुटीक खोलना

गतिविधि– 24

ऑरगेनिक पॉट्री

गतिविधि का प्रकार : आंतरिक इनडोर

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, सर्जनात्मकता, कल्पनाशीलता, मनोगत्यात्मक, भारतीय /स्थानीय परंपराओं का ज्ञान एवं समूह कार्य कौशल आदि

उद्देश्य–

- पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूक हो सकेंगे।
- पर्यावरण संरक्षण हेतु प्लास्टिक के विकल्प के रूप में ईको फ्रेंडली वस्तुओं (पात्रों) का निर्माण व उपयोग कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- ढाक की पत्तियाँ
- पलाश की पत्तियाँ
- महुआ की पत्तियाँ
- केले की पत्तियाँ
- लकड़ी/नीम के सींकें
- सूती धागा इत्यादि।

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- अध्यापक सभी विद्यार्थियों को पूर्व में सूचित करें जिससे विद्यार्थी सामग्री की व्यवस्था कर सकें।
- सभी विद्यार्थियों को छोटे–छोटे समूहों में बांट दें।
- अध्यापक पत्तों के बर्तन बनाने में कुशल विशेषज्ञ को विद्यालय में बुलायें और विद्यार्थियों को विभिन्न पत्तों से बर्तन बनाना सिखायें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक द्वारा बतायी गयी सामग्रियों की सूची बनाएं।
- समस्त सामग्री एकत्र करें।
- शिक्षक एवं विशेषज्ञ द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करें।

कार्यविधि–

- हाथ से सांचा अथवा प्रेशर मशीन से कटोरी आदि बनाने की विधि का प्रदर्शन करेंगे।
- अपने निर्देशन में विद्यार्थियों को पत्तों की कटोरी प्लेट आदि बर्तन निर्माण का अनुभव प्राप्त करने का अवसर देंगे।
- तैयार उत्पाद की पैकिंग करवायेंगे व मार्केटिंग सम्बन्धी जानकारी देंगे।
- गो ग्रीन से सम्बन्धित अन्य व्यवसायों के विषय में विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थी गतिविधि से प्राप्त अनुभवों को लिपिबद्ध करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- सर्जनात्मकता
- सहभागिता
- अवलोकन
- प्रतिभागिता इत्यादि

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन आदि कौशलो को विकसित करके वे भविष्य मे अपनी रूचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते है–

- गृह उद्योग
- पर्यावरणविद्
- पर्यावरण संरक्षण (एन0जी0ओ0)
- हॉस्पिटैलिटी प्रबन्धक
- विपणनकर्ता/व्यापारी इत्यादि।

भाग– 3

कला, संस्कृति और इतिहास

गतिविधि– 25

कठपुतली

गतिविधि का प्रकार : आन्तरिक (इनडोर)

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, संप्रेषण, पारस्परिक, रचनात्मकता एवं नवाचार, सौदंर्यबोध, कल्पनाशील, भारत के स्वेदशी खिलौनों का ज्ञान, सहयोग एवं समूह कार्य, लोक कला का ज्ञान और स्क्रिप्ट लेखन आदि।

उद्देश्य–

- कठपुतली के माध्यम से अभिव्यक्त करने की कला का विकास कर सकेंगे।
- लोक संस्कृति से परिचय एवं लोक कलाओं में रोजगार के अवसर का सृजन कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- रंगीन कागज
- गोंद
- कैंची
- आइसक्रीम स्टिक
- सेलो टैप
- स्केच पेन
- कागज
- धागे इत्यादि।

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- विद्यार्थियों को गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में संक्षेप में बताएं।
- कठपुतली बनाने के लिए आवश्यक सामग्री के विषय में विद्यार्थियों को पूर्व में सूचित करें।
- विद्यार्थियों को छोटे–छोटे समूहों में विभाजित करें।
- शिक्षक या कठपुतली विशेषज्ञ को आमंत्रित करें और कठपुतलियों के निर्माण का प्रदर्शन करें।
- कठपुतलियों के निर्माण में विद्यार्थियों की सहायता करें।
- कठपुतलियों के प्रकार पर चर्चा करें।
- क्राफ्ट बेस कठपुतली का प्रयोग कर बनाना व चलाना सिखाएं।
- गतिविधि की रिपोर्ट विद्यार्थियों से तैयार करने को कहें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक/विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- विशेषज्ञ से प्रश्न पूछें और दी गयी जानकारी को नोट करें।
- कठपुतलियों को बनाने के चरणों को नोट करें।

- कठपुतली नाटक की स्क्रिप्ट और कठपुतली पात्र तैयार करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व से सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएंगे।
- विद्यार्थियों के छोटे–छोटे समूह बनाएँगे।
- विद्यार्थियोंको प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- एक समूह के रूप में, विद्यार्थी, प्रदर्शन के लिए अपनी स्क्रिप्ट तैयार करायेंगे और कठपुतलियाँ तैयार करेंगे।
- अपनी कठपुतलियों का प्रयोग करके प्रस्तुतीकरण करेंगे।
- गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों के साथ उनके अवलोकन और सीख के विषय में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- बोलना/वर्णन करना
- संप्रेषण कौशल
- रचनात्मकता
- प्रतिभागिता
- प्रस्तुतीकरण
- समूह कार्य इत्यादि।

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- कठपुतली निर्माता
- कठपुतली/रंगमंच कलाकार
- निर्देशक
- संस्थापक
- कहानीकार
- पटकथा लेखन (स्क्रिप्ट राइटिंग)
- भूमिका निर्वहन की जानकारी (अभिनेता) इत्यादि।

गतिविधि– 26

डूडलिंग

गतिविधि का प्रकार : आंतरिक (इनडोर)/बाह्य (आउटडोर)

समयावधि : 2 घण्टे

विकसित कौशल : मनोप्रेरक, कल्पना और दृश्य और स्थानिक कौशल आदि।

उद्देश्य–

- मनोभावों एवं विचारों को ग्राफिक्स के माध्यम से अभिव्यक्त करने में सक्षम हो सकेंगे।
- डूडल से कुछ बनाने के लिए विचारों को व्यवस्थित कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- पेंसिल
- रंगीन पेन
- कागज
- कंप्यूटर (यदि आवश्यक हो)

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में विद्यार्थियों को संक्षिप्त जानकारी दें।
- डूडलिंग की अवधारणा को समझाएँ।
- विद्यार्थियोंको डूडलिंग आवश्यक सामग्री एकत्र करने के लिए कहें।
- ड्राइंग और डिजाइनिंग के तरीकों के विषय में चर्चा करें।
- आकर्षक दृश्य बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक/विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- शिक्षक/विशेषज्ञ से प्रश्न पूछें और जानकारी को नोट करें।
- अपने रचनात्मक कौशल को निखारें।
- निर्देशानुसार डूडल तैयार करें।
- अनुशासन बनाए रखें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएँगे।
- विद्यार्थियों को छोटे–छोटे समूहों में बैठने के लिए कहेंगे।
- डूडलिंग के लिए आवश्यक सामग्री व्यवस्थित करेंगे।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- वृत्त, वर्ग और त्रिभुज जैसी सरल आकृतियों से शुरुआत करेंगे।
- बुनियादी पैटर्न जैसे–रेखाएँ, बिंदु, जिग–जैग का अभ्यास करेंगे।

- अपनी कक्षा में या इंटरनेट के माध्यम से विचारों के लिए डूडल के उदाहरण देखेंगे।
- छोटे, सरल डिजाइन से शुरुआत करेंगे।
- धीरे–धीरे कठिनाई स्तर बढ़ाएंगे।
- अभिनव डिजाइन बनाएँगे।
- कक्षा के साथ डूडल साझा करेंगे और तकनीकों पर चर्चा करेंगे।
- गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों के साथ उनके अवलोकन और सीख के विषय में चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- विद्यार्थियों को उनके द्वारा देखे गए बिंदुओं को नोट करने और एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- रचनात्मकता
- समूह कार्य
- प्रस्तुति कौशल
- कल्पना कौशल
- दृश्य और स्थानिक कौशल

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- क्रिएटिव डायरेक्टर
- कहानी लेखक
- ग्राफिक डिजाइनर
- एनीमेशन
- इंटीरियर डिजाइनर

गतिविधि– 27

पतंग बनाना और उड़ाना

गतिविधि का प्रकार : इनडोर/आउटडोर

समयावधि : 2 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, रचनात्मकता, कल्पना, मनोप्रेरक, समूह कार्य, सहयोग और मनोरंजन के लिए विज्ञान का अनुप्रयोग आदि।

उद्देश्य–

- पतंग बनाने की प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे।
- आकर्षक पतंग की डिजाइन बना सकेंगे।
- आपस में एक दूसरे के सहयोग से पतंग उड़ा सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- रंगीन कागज
- कलम
- लकड़ी की बारीक छड़े (खपच्ची)
- धागा
- कैंची
- गोंद

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएँ।
- विद्यार्थियों को पतंग बनाने की बारीकियों जैसे– कागज की मोटाई एवं लकड़ी की छड़ों की नाप इत्यादि के विषय में बताएं।
- विद्यार्थियों को गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में संक्षेप में बताएँ।
- विद्यार्थियों के साथ पतंग या अन्य वस्तुएँ बनाने के चरणों पर चर्चा करें।
- विद्यार्थियों को एक सुंदर पतंग बनाने में मदद करें।
- विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से कोई संदेश लिखने को कहें।
- विद्यार्थियों को बाहर ले जाएं और उन्हें सावधानीपूर्वक पतंग उड़ाने के लिए कहें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देशः–

- शिक्षक/विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- शिक्षकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार तैयारी करें।
- प्रक्रिया के अनुसार पतंग तैयार करें।
- आपस में सहयोग कर पतंग बनाने एवं उड़ाने की गतिविधि में प्रतिभाग करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।

- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएँगे।
- सभी सजावटी सामग्रियों का उपयोग करके, एक पतंग तैयार करेंगे और उस पर एक संदेश लिखेंगे।
- सहपाठियों के साथ संदेश को साझा करेंगे।
- पतंग उड़ाने के लिए बाहर जाएँगे।
- विद्यार्थियों के साथ गतिविधि के दौरान उनके अनुभवों पर चर्चा करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- रचनात्मकता
- भागीदारी
- परस्परिक कौशल
- हस्त शिल्प कौशल
- लेखन कौशल इत्यादि।

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरुकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, लिखने आदि कौशल विकसित करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- पतंग निर्माता
- पतंग डिजाइनर
- पतंग के निर्माण में प्रयुक्त सामग्री के आपूर्तिकर्ता और विक्रेता
- अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव प्रतिभागी/आयोजक
- कार्यक्रम आयोजक
- प्रबंधक

गतिविधि– 28

नृत्य, नाटक और माइम्स

गतिविधि का प्रकार : आंतरिक/इनडोर

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : दृश्य और स्थानिक, मनोप्रेरक, मनोगत्यात्मक संप्रेषण, समूह कार्य और सहयोग, पटकथा लेखन और अभिनय कौशल आदि।

उद्देश्य–

- अभिनय कला का विकास हो सकेगा।
- पटकथा लेखन कौशल का विकास हो सकेगा।
- विकसित स्क्रिप्ट को नाटक/नृत्य नाटक/माइम के रुप में प्रस्तुत कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- कलम, पेन
- कागज
- प्रॉप्स
- वेश–भूषा

शिक्षकों के लिए निर्देशः–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएँ।
- विद्यार्थियों को गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में संक्षेप में बताएँ।
- सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों से सम्बन्धित तथा काल्पनिक कहानियों के दृश्यों के विषय में विद्यार्थियों से चर्चा करें।
- विद्यार्थियों से स्क्रिप्ट लिखने और प्रत्येक के लिए भूमिकाएँ आवंटित करने के लिए कहें।
- उन्हें स्क्रिप्ट तैयार करने और नाटक का अभ्यास करने के लिए समय दें।
- पात्रानुकूल वेश–भूषा (Costume) धारण करने और अभिनय करने के लिए कहें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक/विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाये रखें।
- बातचीत करें और नाटक की स्क्रिप्ट तैयार करें।
- काल्पनिक अभिनय का अभ्यास करें।
- नाटक मंचन को बिना किसी व्यवधान के ध्यान पूर्वक देखें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएँगे।

- एक काल्पनिक कहानी से दृश्य चुनेंगे और पात्र आवंटित करेंगे।
- एक स्क्रिप्ट लिखेंगे।
- वेशभूषा और प्रॉप्स तैयार करेंगे।
- संवादों का अभ्यास करेंगे।
- दृश्य प्रस्तुत करेंगे।
- गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों के साथ उनके अनुभव पर चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने हेतु उनके कला की प्रशंसा और पुरस्कृत करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- वेशभूषा और प्रॉप्स
- प्रस्तुतीकरण
- संवाद कौशल
- भाषा योग्यता
- समूह कार्य
- क्रियान्वयन
- श्रम के प्रति सम्मान
- अनुशासन इत्यादि।

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकताः–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- अभिनेता
- वादक
- कलाकार
- कहानीकार
- गीतकार
- नाटक निर्देशक
- संगीतकार
- ध्वनि इंजीनियर
- विज्ञापनों हेतु पटकथा लेखन
- पटकथा लेखक
- फैशन डिजाइनर इत्यादि।

गतिविधि– 29

राष्ट्रीय स्मारकों का भ्रमण

गतिविधि का प्रकार : बाहर/आउटडोर

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : राष्ट्रीय इतिहास और स्मारकों के प्रति संवेदनशीलता, अवलोकन, संप्रेषण कौशल आदि।

उद्देश्य–

- चयनित राष्ट्रीय स्मारक के महत्व को समझ सकेंगे।
- उसकी मुख्य विशेषताओं पर चर्चा कर सकेंगे।
- स्मारक की अनूठी कलाकृति और वास्तुकला का वर्णन कर सकेंगे।
- राष्ट्रीय पहचान और अखंडता को आकार देने में स्मारकों की भूमिका को समझ सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- परिवहन हेतु साधन
- यात्रा सम्बन्धित आवश्यक सामग्री (जैसे फर्स्ट एड बॉक्स, भोजन सामग्री आदि)
- नोटबुक और पेन
- टोपी
- आरामदायक जूते
- कैमरा इत्यादि।

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- किसी राष्ट्रीय स्मारक का चयन करें।
- साइट के समन्वयक से संपर्क करें और यात्रा की तिथि और समय की व्यवस्था करें।
- यात्रा हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश व सुरक्षा मानको का पालन करें।
- गतिविधि के लिए योजना बनाएँ।
- क्षेत्र भ्रमण की प्रमुख विशेषताओं से परिचित होने के लिए प्री–विजिट का आयोजन करें।
- गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में विद्यार्थियों को संक्षिप्त जानकारी दें।
- गतिविधि के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ करें जैसे– परिवहन आदि।
- गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में अभिभावकों को पूर्व में सूचित करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक/गाइड के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- अधिकारियों/गाइड से प्रश्न पूछें और यात्रा के दौरान एकत्र जानकारी को नोट करें।
- क्षेत्र भ्रमण के उद्देश्य और अध्ययन की वर्तमान इकाई से इसके संबंध पर चर्चा करें।

- अपने मित्रों से चर्चा करें और यात्रा के संबंध में प्रश्न तैयार करें।
- किसी भी राष्ट्रीय स्मारक का भ्रमण करते समय पालन किए जाने वालो नियमों को पढ़ें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएँगे।
- निर्धारित स्थान पर जाएँगे।
- विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- टूर गाइड के साथ बातचीत और चर्चा करेंगे। आप विभिन्न प्रश्न पूछ सकते हैं या संबंधित स्मारक के लिए स्वयं द्वारा तैयार किए गए प्रश्न पूछ सकते हैं।
- क्षेत्र भ्रमण की चर्चा करें और एक रिपोर्ट तैयार करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करें।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- रुचि
- प्रतिभागिता
- समूह कार्य
- पारस्परिक कौशल
- रिपोर्ट तैयार करना
- प्रश्न पूछने का कौशल
- उत्तरदायित्व की भावना
- भ्रमण प्रतिवेदन

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- टूर गाइड
- म्यूजियम/आर्ट गैलरी क्यूरेटर
- साइट मैनेजर
- आयोजक
- शोधकर्ता
- पुरातत्ववेत्ता इत्यादि।
- निरीक्षक
- फोटाग्राफर

नोटः– ताजमहल, फतेहपुर सीकरी, जामा मस्जिद, सारनाथ स्तूप, बड़ा इमामबाड़ा, चुनार का किला।

गतिविधि– 30

ऐतिहासिक स्मारकों की यात्रा

गतिविधि का प्रकार : बाह्य/आउटडोर

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : भारतीय संस्कृति के इतिहास को समझना, अवलोकन, संप्रेषण कौशल आदि।

उद्देश्य–

- ऐतिहासिक धरोहरों के महत्व को समझ सकेंगे।
- उसकी विशेषताओं पर चर्चा कर सकेंगे।
- भारत की विशिष्ट कलाकृति और वास्तुकला से परिचित हो सकेंगे।
- भारत की प्राचीन संस्कृति और कला को समझ सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- नोटबुक और पेन
- टोपी
- आरामदायक जूते इत्यादि।

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- यात्रा के लिए योजना बनाएं।
- गतिविधि के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ जैसे परिवहन आदि करें।
- गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में अभिभावक को पूर्व में सूचित करें।
- विद्यार्थियों को यात्रा के उद्देश्य के विषय में संक्षेप में बताएं।
- यदि संभव हो तो निर्देशित भ्रमण के लिए भ्रमण स्थल पर गाइड से संपर्क करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक/गाइड के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- अधिकारियों/गाइड से प्रश्न पूछें और भ्रमण के दौरान एकत्र जानकारी को नोट करें।
- शिक्षकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार तैयारी करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएँगे।
- निर्धारित ऐतिहासिक स्थल पर जाएँगे।
- ऐतिहासिक स्थल/स्मारक के गाइड से मिलेंगे और स्वयं द्वारा तैयार किए गए प्रश्न पछेंगे।

- गतिविधि के दौरान उनके अनुभवों पर विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- रुचि
- प्रतिभागिता
- समूह कार्य
- पारस्परिक कौशल
- प्रश्न पूछने का कौशल
- उत्तरदायित्व की भावना का विकास
- भ्रमण प्रतिवेदन इत्यादि।

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि के कौशल को विकसित करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- पुरातत्ववेत्ता
- संग्रहालय/आर्ट गैलरी क्यूरेटर
- टूर गाइड
- अन्वेषक इत्यादि।

गतिविधि– 31

वाद्य यंत्र

गतिविधि का प्रकार : आंतरिक/इनडोर

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : संगीत,समूह कार्य, अवलोकन एवं तकनीकी (सन्दर्भ एवं आवश्यकता के अनुसार), वाद्य यंत्रों का ज्ञान, तनाव प्रबन्धन आदि।

उद्देश्य–

- विद्यार्थी विभिन्न वाद्य यन्त्रों से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न वाद्य यन्त्रों के प्रयोग हेतु रुचि जाग्रत कर सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- विभिन्न प्रकार के वाद्य यंत्र

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- विद्यार्थियों के साथ मिलकर विभिन्न वाद्य यन्त्रों के विषय में चर्चा करें।
- विद्यार्थियों को विभिन्न वाद्य यन्त्रों को सीखने के लिए प्रोत्साहित करें।
- वाद्य यंत्र विशेषज्ञ को आमंत्रित करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- वाद्य यंत्रों की जानकारी प्राप्त करें।
- वाद्य यंत्रों का वर्गीकरण करें।
- वाद्य यंत्रों का उचित/सही प्रयोग करें।

कार्यविधि–

- सर्वप्रथम विद्यार्थियों को विभिन्न वाद्य यन्त्रों (तबला, हारमोनियम, ढोलक, तुरही, बांसुरी, मंजीरा, डफली) के विषय में पूर्व जानकारी देंगे।
- विद्यार्थी उन्मुक्त भाव से गतिविधि में सक्रिय प्रतिभाग करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- वाद्य यंत्र बजाने में कौशल का स्तर
- सर्जनात्मकता
- समूह कार्य
- प्रस्तुतीकरण

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि के कौशल को विकसित करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- संगीतज्ञ
- संगीतकार
- वादक
- बैण्ड

गतिविधि– 32

मिट्टी की मूर्ति का निर्माण

गतिविधि का प्रकार : आंतरिक/इनडोर

समयावधि : 3 घण्टे

विकसित कौशल : अवलोकन, सर्जनात्मकता, सौन्दर्य बोध, कल्पना एवं स्वदेशी खिलौनों के ज्ञान का कौशल आदि।

उद्देश्य–

- मिट्टी से मूर्ति, बर्तन एवं खिलौने बनाना सीख सकेंगे।
- मिट्टी की मूर्ति के रख–रखाव के विषय में समझ सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- स्थानीय मूर्तिकार
- मिट्टी
- पानी
- उपकरण
- तार
- कपड़ा
- धागा

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- मिट्टी की मूर्ति के निर्माण में प्रयोग की जाने वाली सामग्री के विषय में शिक्षक विद्यार्थियों को पूर्व में सूचित करें।
- विद्यार्थियों को छोटे–छोटे समूहों में विभाजित करें।
- विद्यार्थियों को मूर्ति कला और उसके सौन्दर्य बोध से परिचित कराएं।
- शिक्षक किसी स्थानीय मूर्तिकार/शिल्पकार को आमंत्रित करें।
- विद्यार्थियों को मूर्तिकला एवं अन्य सजावटी वस्तुओं को बनाने की प्रक्रिया से अवगत कराएं।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- विद्यार्थी शिक्षक द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करें।
- विद्यार्थी मूर्ति निर्माण के लिए मिट्टी की गुणवत्ता एवं आवश्यक उपकरणों के विषय में जानकारी प्राप्त करें।
- विद्यार्थी दिये गये निर्देशों के अनुसार अपने समूहों में मिट्टी की मूर्तियों/खिलौनों/बर्तन का निर्माण करें।
- मूर्तिकार के सुझावों को ग्रहण कर नोट करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को छोटे–छोटे समूहों में बैठाएंगें।
- क्वाईल विधि से मूर्ति/खिलौना/बर्तन बनाने के लिए सबसे पहले सर्किल में बेस बनाएंगे।

- धीरे–धीरे अंगूठे और अंगुलियों के प्रयोग से गीली मिट्टी को आकार देंगे।
- निर्मित मूर्तियों/खिलौनों/बर्तन को छांव में सुखाएंगे।
- मूर्तियों के सूख जाने के पश्चात् उनको रंगने की विधि बताएंगे।
- विद्यार्थियों को मिट्टी से मूर्ति/खिलौना/बर्तन निर्माण पर अपने अनुभव लिखेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- सर्जनात्मकता
- मिट्टी से निर्माण में स्वच्छता
- मूर्ति/खिलौना/बर्तन निर्माण में बारीकियां
- प्रस्तुतीकरण इत्यादि।

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि के कौशल को विकसित करके, वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- विभिन्न प्रकार के आभूषण बनाना
- मूर्ति/पॉट की दुकान
- मूर्तियां, पॉट, आभूषण, साज–सज्जा की वस्तुओं की डिजाइनिंग व निर्माण
- मूर्तिकार
- निर्माण एवं प्रशिक्षण केन्द्र स्थापना
- उभरती कला
- विभिन्न प्रकार के पात्र बनाना इत्यादि।

गतिविधि– 33

निष्प्रयोज्य वस्तुओं से 'गुड़िया बनाने' की कला

गतिविधि का प्रकार : आंतरिक/इनडोर

समयावधि : 2 घण्टे

विकसित कौशल : रचनात्मकता और नवाचार, कल्पना, मनोप्रेरक और सौंदर्यबोध, आदि

उद्देश्य–

- गुड़िया बनाने के लिए विभिन्न विधियों पर चर्चा कर सकेंगे।
- परिवेश में विद्यमान अपशिष्ट एवं निष्प्रयोज्य वस्तुओं के उपयोग एवं प्रबंधन के विषय में जान सकेंगे।
- गुड़िया बनाने की कला को व्यावसायिक रूप दे सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- नारियल का छिलका
- पेंट
- ब्रश
- फेविकोल
- चार्ट पेपर इत्यादि।

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- विद्यार्थियों को गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में संक्षेप में बताएं।
- विद्यार्थियों के छोटे–छोटे समूह बनाएं।
- विद्यार्थियों को निष्प्रयोज्य वस्तुओं से अपना सर्वोत्तम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- गतिवधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में अभिभावकों को पूर्व में सूचित करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक/विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- शिक्षकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसाार तैयारी करें।
- आवश्यक सामग्री एकत्र करें।
- प्रक्रिया के अनुसार गुड़िया तैयार करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएँगे।
- विद्यार्थियों को समूहों में बैठने के लिए कहेंगे।
- नारियल के खोल में अवांछित क्वायर को खुरचेंगे।

- गुड़िया की आँखों, नाक और कानों को दर्शाने के लिए काले चार्ट को अलग–अलग आकृतियों में काटेंगे।
- गतिविधि के दौरान उनके अनुभवों पर चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थियों को रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि को मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंड़ों पर किया जाना चाहिए–

- निष्प्रयोज्य वस्तुओं को समझना और उसका उपयोग करना।
- रचनात्मकता
- समूह कार्य
- स्वच्छता
- कपड़ों की आकृति के अनुरूप कटिंग
- प्रबंधन कौशल
- मितव्ययिता
- प्रयोग एवं प्रस्तुति
- पर्यावरणीय जागरूकता इत्यादि।

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरुकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- गुड़िया डिजाइनर
- कलाकार
- रिसाइकल स्टार्टअप
- खिलौना निर्माता
- प्रशिक्षक
- पर्यावरण विद् इत्यादि।

नोट– इसी प्रकार अपशिष्ट एवं निष्प्रयोज्य वस्तुओं के प्रयोग से पेन–होल्डर, थैला, विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां, साज–सज्जा की वस्तुएं आदि को बनाना एवं कचरा प्रबंधन सीख सकेंगे।

गतिविधि– 34

जूट से क्राफ्ट निर्माण

गतिविधि का प्रकार : आंतरिक इनडोर

समयावधि : 4 घण्टे

विकसित कौशल : स्थानीय हस्त शिल्प को बढ़ावा देना, अवलोकन, संचार, आदि।

उद्देश्य–

- जूट की रस्सी (सुतली) से क्राफ्ट बनाना सीख सकेंगे।
- जूट की सुतली से मूर्ति एवं खिलौने बना सकेंगे।
- जूट की रस्सी से विभिन्न प्रकार के सजावटी सामान बना सकेंगे।

आवश्यक सामग्री–

- सुतली
- कैंची
- प्लास्टिक/काँच की बोतल
- डिस्पोजल कप
- फेवीकोल
- एक्रिलिक पेन्ट
- धागा इत्यादि।

शिक्षकों के लिए निर्देश–

- गतिविधि के लिए योजना बनाएं।
- विद्यार्थियों को गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में संक्षेप में बताएं।
- विद्यार्थियों का समूह बनाएं।
- विद्यार्थियों को जूट क्राफ्ट निर्माण की विधि से परिचित कराएं।
- गतिविधि के उद्देश्य और तैयारी के विषय में अभिभावकों को पूर्व में सूचित करें।

विद्यार्थियों के लिए निर्देश–

- शिक्षक/विशेषज्ञ के निर्देशों का पालन करें।
- अनुशासन बनाए रखें।
- शिक्षकों द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार तैयारी करें।
- आवश्यक सामग्री एकत्र करें।
- जूट क्राफ्ट बनाने के लिए जूट की सुतली की गुणवत्ता एवं आवश्यक उपकरणों एवं निर्माण विधि की जानकारी प्राप्त करें।
- दिये गये निर्देशों के अनुसार अपने–अपने समूहों में जूट क्राफ्ट का निर्माण करें।

कार्यविधि–

- विद्यार्थियों को गतिविधि के विषय में पूर्व में सूचित करेंगे।
- विद्यार्थियों को गतिविधि का महत्व समझाएंगे।

- विद्यार्थियों को अलग–अलग समूहों मे बैठने के लिए कहेंगे।
- जूट की रस्सी (सुतली) के खिलौने बनाने के लिए प्लास्टिक के बोतल को दो भागों में काटेंगे।
- कटी हुए प्लास्टिक बोतल में सुतली फेवीकोल से चिपकाएंगे।
- फेवीकोल से चिपकाने के बाद सूखने देंगे।
- जूट क्राफ्ट में सुतली चिपक जाने के पश्चात रंगने की विधि बतायेंगे।

मूल्यांकन–

प्रत्येक गतिविधि का मूल्यांकन निम्नलिखित मापदंडों पर किया जाना चाहिए–

- सर्जनात्मकता
- समूह कार्य
- स्वच्छता
- सौन्दर्य बोध
- निर्माण विधि
- प्रस्तुतीकरण इत्यादि।

व्यावसायिक अवसरों के प्रति जागरूकता–

विद्यार्थियों को समझाया जा सकता है कि अवलोकन, विश्लेषण, व्याख्या, रिपोर्ट लिखने आदि कौशलों को विकसित करके वे भविष्य में अपनी रुचि के अनुसार निम्नलिखित व्यवसायों को अपना सकते हैं–

- बोरिया, रस्सी, डलिया, बैग, पफी (मोढ़ा), खिलौना, पायदान आदि।
- विभिन्न सजावटी वस्तुओं (वॉल हैंगिग, कालीन आदि) को बनाना।
- जूट क्राफ्ट की दुकान
- जूट क्राफ्ट डिजाइनर
- भविष्य में वृहद स्तर पर जूट से सम्बन्धित जैसे कपड़ा आदि से सम्बन्धी व्यवसाय हो सकते है।

इसी प्रकार बाँस, पटसन, सनई, मूज आदि विभिन्न प्रकार के पौधों के तने व जड़ो का प्रयोग कला और क्राफ्ट के माध्यम से विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक अवसर प्रदान करते हैं।